भव्य

2021-23

के. पी. ट्रेनिंग कालेज, इलाहाबाद

K.P. Training College, Allahabad

भव्य

2021-23

संरक्षक

चौ० जीतेन्द्र नाथ सिंह

(अध्यक्ष)

●

प्रधान सम्पादिका

प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव

(प्राचार्या)

●

संपादक मण्डल

डॉ० शक्ति शर्मा

डॉ० प्रियंका सिंह

डॉ० राजेश कुमार पाण्डेय

मुंशी काली प्रसाद वन्दना

जय जय काली प्रसाद, तेरी बलिहारी।
तेरे यश की महान, रश्मियाँ प्रकाशमान।
चारु चन्द्रिका समान, जीवन मनहारी
जय जय ....

हिय में अति हर्षमान करती कर्तव्य ज्ञान।
तेरी शुभ कीर्तिमान भारती सुखारी।
जय जय ....

अपने कुल की महान दुर्गति पर दया आन।
कर निज सर्वस्व दान महिमा विस्तारी।
जय जय ....

हे प्रभो कृपा निधाान देवलोक की महान।
आत्म में प्रदीप्तमान मानव तन धाारी।
जय जय ....

University of Allahabad
Allahabad (U.P.) 211 002, India

Prof. Sangita Srivastava
Vice-Chancellor

Message

I am happy to know that the K.P. Training College, Prayagraj is going to publish its annual magazine titled "Bhavya" . The wide range of subjects in terms of the creative, informative and intellectual pieces in this magazine, is a testimony of the excellence of College, both in academiccs and in multiple other dimensions of education, over a period. Publications such as these help in all-round development of our students, sharpen their critical thinking and creative articulations.

I congratulate the students, faculty. and administration of the college whose collective endeavors are showcased in the magazine, and I am sure that several of our students whose works have been published here will go on to pursue their creative journeys further.

(Sangita Srivastava)

Prof. Anjana Srivastava
Principal
K.P. Training College,
Prayagraj

अध्यक्ष

चौ. जितेन्द्र नाथ सिंह, एडवोकेट

पूर्व महापौर, नगर निगम, प्रयागराज

The ***Kayastha Pathshala***

12/4, Kamla Nehru Road,

Prayagraj (Allahabad)

शुभकामनाएं

यह हम सभी के लिए अपार हर्ष और गौरव का विषय है कि सन् 1951 से यह महाविद्यालय हमारे समाज को ऊर्जावान, प्रगतिशील तथा ज्ञान में प्रवीण शिक्षक भेंट कर रहा है। इस महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थी देश के विभिन्न अंचलों में स्थित विविध संस्थाओं, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षक तथा अन्य प्रशासनिक पदों को सुशोभित कर महाविद्यालय की प्रतिष्ठा में श्री वृद्धि कर रहें हैं। प्रशिक्षणार्थियों का प्रतिवर्ष विभिन्न पदों पर चयनित होना इस विद्यालय के गुणवत्ता परक 'शिक्षण-प्रशिक्षण' का परिणाम है।भविष्य में भी यह महाविद्यालय इसी प्रकार बहु आयामी तथा उर्वर क्षमता से युक्त शिक्षक तैयार कर अपने गौरव को चतुर्दिक सुवासित करता रहे, इन्ही शुभकामनाओं के साथ-साथ प्रस्तुत पत्रिका के प्रकाशनार्थ भी हार्दिक बधाई।

(चौ० जितेन्द्र नाथ सिंह)

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव

प्राचार्या

के.पी. ट्रेनिंग कालेज,

प्रयागराज

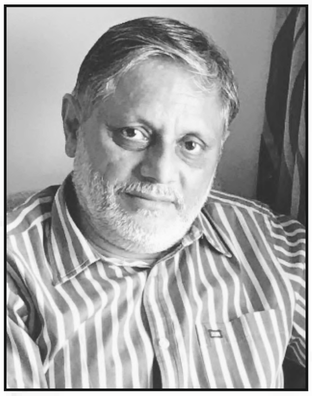

प्रो० पंकज कुमार
अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास

University of Allahabad
Allahabad (U.P.) 211 002, India

संदेश

यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि के.पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी अपने महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका **'भव्य'** सत्र 2021-2023 प्रकाशित करने जा रहा है। इस तरह की पत्रिकाओं का प्रकाशन महाविद्यालय के लिए एक स्वस्थ्य परम्परा है। इन पत्रिकाओं के माध्यम से ही महाविद्यालय की छवि को छात्र/छात्राओं एवं जन-जन तक पहुँचाने में मदद मिलती है। आशा करता हूँ कि इस तरह की पत्रिकाओं का प्रकाशन भविष्य में भी होता रहेगा।

इसी के साथ मैं महाविद्यालय की प्राचार्या एवं पत्रिका के प्रकाशन में लगे समस्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(प्रो0 पंकज कुमार सिंह)

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या
के.पी. ट्रेनिंग कालेज,
प्रयागराज

Prof. Dhananjai Yadav
Head
Department of Education

University of Allahabad
Allahabad (U.P.) 211 002, India

Message

It gives me immense pleasure in presenting forward message for the Bi-annual Magazine of the college 'Bhavya', which is being brought to the audience by the consistent effort of the Principal and her sincere colleagues.

This will certainly provide a constructive platform to showcase a broad spectrum of creative presentations of contributors. It will also motivate readers to pen their innovations in concrete shape which will in turn work for improving the quality of 'Bhavya' in future.

My sincere thanks for the whole team for their creative production.

Prof. Dhananjai Yadav

Prof. Anjana Srivastava
Principal
K.P. Training College,
Prayagraj

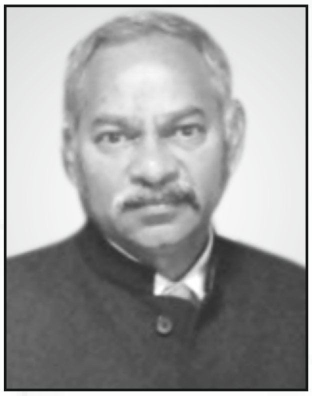

उपाध्यक्ष

चौ. राघवेन्द्र नाथ सिंह

कायस्थ पाठशाला न्यास, प्रयागराज

The ***Kayastha Pathshala***

12/4, Kamla Nehru Road,
Prayagraj (Allahabad)

शुभ संदेश

हम सभी के लिए यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका '**भव्य**' का प्रकाशन कर रहा है जिसके लिए मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। भविष्य में भी यह महाविद्यालय अपनी यश और प्रतिष्ठा से भारत के विभिन्न अंचलों को सुरभित करता रहे, यही मेरी शुभेच्छाएं हैं।

(चौ0 राघवेन्द्र नाथ सिंह)

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या
के.पी. ट्रेनिंग कालेज,
प्रयागराज

प्रो० नरेन्द्र कुमार शुक्ल
रजिस्ट्रार
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

University of Allahabad
Allahabad (U.P.) 211 002, India

संदेश

''जीवन का सबसे बड़ा आनन्द एक पौधे को बीज से अंकुर तक, हरी शाखा से शाखा तक, फूल से फल तक बढ़ते देखने में निहित है।''

यह प्रसन्नता का विषय है कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय का संघटक महाविद्यालय 'के.पी. ट्रेनिंग कॉलेज' अपनी वार्षिक पत्रिका '**भव्य**' को प्रकाशित कर रहा है। पत्र-पत्रिकाएं ही वह माध्यम है जिससे कोई भी समाज अपनी विरासत, ज्ञान, संस्कृति और संस्कार भावी पीढ़ियों तक पहुँचाता है और एक-दूसरे के साथ जोड़ता है साथ ही विद्यार्थी अपने विचारों का अदान-प्रदान करते हैं तथा सभी विभाग एक-दूसरे की अकादमिक गतिविधियों से परिचित होते हैं।

महाविद्यालय की पत्रिका एक विस्तृत एरां सारगर्भित शिक्षाप्रद मूल्य प्रदान करती है, जो विद्यार्थियों को सोचने, समझने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। वास्तव में विद्यार्थी स्वतंत्रतापूर्वक निर्भीक होकर निष्पक्ष रूप से अपनी मौलिक एवं रचनात्मक लेखन तथा वैचारिक क्षमता को प्रदर्शित करते है साथ ही शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों पर अभिमत व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

महाविद्यालय की पत्रिका शिक्षाविदों के साथ-साथ सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में विद्यार्थियों के विकास के विभिन्न पहलुओं को प्रतिविबिंत करती है। मुझे विश्वास है कि महाविद्यालय विद्यार्थियों को इस रीति से शिक्षित करने में महत्वपूर्ण योगदान देता रहेगा ताकि विद्यार्थी, जो कि भावी शिक्षक के रूप में स्थापित होंगे, अपने व्यावसायिक क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों का साहसपूर्वक एरां व्यावसायिक ढ़ंग से सामना करने में सफल होंगे।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका इन उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल होगा। इस प्रकाशन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी व्यक्तियों को शुभकामनाएं।

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या
के.पी. ट्रेनिंग कालेज,
प्रयागराज

नरेन्द्र कुमार शुक्ल
(प्रो0 नरेन्द्र कुमार शुक्ल)

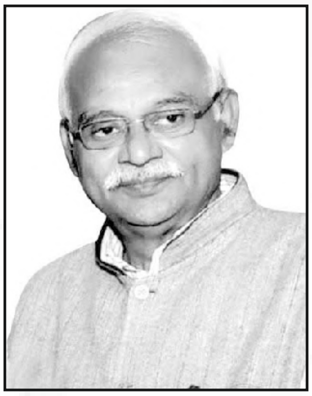

The ***Kayastha Pathshala***
12/4, Kamla Nehru Road,
Prayagraj (Allahabad)

महामंत्री
एस. डी. कौटिल्य
कायस्थ पाठशाला न्यास, प्रयागराज

शुभ संदेश

किसी भी संस्था द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका उस संस्था के विभिन्न शैक्षिक तथा पाठ्यसहगामी क्रियाओं का दर्पण होती है। मुझे इस बात की अत्यन्त प्रसन्ता है कि महाविद्यालय भी अपनी वार्षिक पत्रिका ''**भव्य**'' के प्रकाशनार्थ सजग है। मैं महाविद्यालय परिवार के उनयन तथा प्रस्तुत पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(एस.डी. कौटिल्य)

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या
के.पी. ट्रेनिंग कालेज,
प्रयागराज

कौशल किशोर श्रीवास्तव
कोषाध्यक्ष
के.पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

शुभकामनाएं

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय अपनी वार्षिक पत्रिका **'भव्य'** के प्रकाशनार्थ तत्पर है जिसके लिए मैं सर्वप्रथम प्रो० अन्जना श्रीवास्तव (प्राचार्या) तथा उनकी पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। भविष्य में भी ये महाविद्यालय अपनी प्रगति की पराकाष्ठा का स्पर्श करे, इन्ही शुभकामनाओं के साथ।

(कौशल किशोर श्रीवास्तव)

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या
के.पी. ट्रेनिंग कालेज,
प्रयागराज

बी०एड० मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च अंक धारक

2021-22

अर्चना यादव

2022-23

दिव्या तिवारी

बी०एड० 2022

द्वितीय स्थान

कु० कीर्ति

तृतीय स्थान

अर्पिता

तृतीय स्थान

कु० कीर्ति चन्द्रा

2020-21 के छात्र प्रतिनिधि

अवन सोनकर
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(चतुर्थ सेमेस्टर)

कु० कीर्ति
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(चतुर्थ सेमेस्टर)

योगेन्द्र प्रताप चौधरी
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(प्रथम सेमेस्टर)

सुष्मिता विश्वास
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(प्रथम सेमेस्टर)

सुगम सचान
सोशल सेक्रेटरी
(चतुर्थ सेमेस्टर)

आकृति यादव
सोशल सेक्रेटरी
(चतुर्थ सेमेस्टर)

शिवम् मिश्रा
सोशल सेक्रेटरी
(प्रथम सेमेस्टर)

शीतल जायसवाल
सोशल सेक्रेटरी
(प्रथम सेमेस्टर)

शिवानी पाल
जेण्डर चैम्पियन
(प्रथम सेमेस्टर)

सूरज कुमार
स्पोर्ट्स कैप्टन
(प्रथम सेमेस्टर)

2022-23 के छात्र प्रतिनिधि

आदित्य आनन्द
सीनियर प्रीफेक्ट
(तृतीय सेमेस्टर)

योगेन्द्र प्रताप चौधरी
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(तृतीय सेमेस्टर)

अनामिका
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(तृतीय सेमेस्टर)

शिवम् मिश्रा
सोशल सेक्रेटरी
(तृतीय सेमेस्टर)

शिवानी पाल
सोशल सेक्रेटरी
(तृतीय सेमेस्टर)

सुशांत
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(प्रथम सेमेस्टर)

नीमा शुक्ला
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव
(प्रथम सेमेस्टर)

पुष्कर
सोशल सेक्रटरी
(प्रथम सेमेस्टर)

ग्रेस निहारिका
सोशल सेक्रटरी
(प्रथम सेमेस्टर)

प्रिंस चौरसिया
जेण्डर चैम्पियन
(तृतीय सेमेस्टर)

आरती इंदवर
जेण्डर चैम्पियन
(तृतीय सेमेस्टर)

श्याम सुन्दर
स्पोर्ट्स चैम्पियन
(तृतीय सेमेस्टर)

महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चल वैजयन्ती तथा स्वर्ण पदक दिए जाने का प्रावधान

क्रम संख्या	इन्वेन्ट्स	चल वैजयन्ती	व्यक्तिगत पदक
1.	ऐस्थर सिंह मेमोरियल वाद-विवाद प्रतियोगिता	सर्वोत्तम वक्ता तथा विजेता उपविजेता सान्त्वना पुरस्कार के रूप में कप	स्वर्ण पदक रजत पदक
2.	ऐंस्थर सिंह मेमोरियल काव्य प्रतियोगिता	विजेता उपविजेता सान्त्वना पुरस्कार के रूप में कप	स्वर्ण पदक रजत पदक
3.	खेलकूद प्रतियोगिता का एकल विजेता (छात्राध्यापिका वर्ग से)		स्वर्ण पदक
4.	खेलकूद प्रतियोगिता का एकल विजेता (छात्राध्यापिका वर्ग से)		स्वर्ण पदक
5.	बी०एड० परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका		स्वर्ण पदक
6.	बी०एड० परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्तकर्ता छात्राध्यापिका	श्रीमती अरूणा हजेला मेमोरियल गोल्ड मैडल	
7.	मेधावी छात्राध्यापिका को छात्रवृत्ति	महाविद्यालय की पुरा छात्राध्यापिका स्व० अरूणा हजेला की स्मृति में उनके पति श्री शैलेन्द्र हजेला द्वारा के.पी. ट्रस्ट को दिए गए 7,00,000/- की धनराशि से प्राप्त ब्याज से बी.एड. परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली छात्राध्यापिका को ''श्रीमती अरूणा हजेला मेमोरियल गोल्ड मेडल'' तथा शेष धनराशि मेधावी छात्राध्यापिका को छात्रवृत्ति के रूप में देय होगा।	
8.	बी०एड० परीक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका		रजत पदक
9.	बी०एड० परीक्षा में तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका		पदक

K.P. Training College

माडल कैरियर सेन्टर
कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम
विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
एफ.सी.आई. कैम्पस (तृतीय तल)

माडल कैरियर सेन्टर
कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम
विश्वविद्यालय सेवायोजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र
www.ncs.gov.in

K.P. TRAINING COLLEGE
PRAYAGRAJ
IQAC
K.P. TRAINING COLLEGE
NATIONAL EDUCATION DAY
GPS Map Camera

COLLEGE

K.P. TRAINING COLLEGE
PRAYAGRAJ

प्राचार्या की लेखनी से.....

के.पी. ट्रेंनिंग कॉलेज 1951 से अपने शिक्षण–प्रशिक्षण के उत्तरदायित्व को बखूबी निभाते चला आ रहा है और भविष्य में भी यह इसी प्रकार प्रशिक्षणार्थियों के सर्वतोनमुखी विकास हेतु समर्पित रहे, इसलिए महाविद्यालय पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ शिक्षणेत्तर गतिविधियों का प्रवाह सतत रूप से कायम रखते हुए अपने यश, प्रतिष्ठा और प्रगति की चल वैज्यंती लिए चलायमान है। मेरा सर्वप्रमुख दायित्व ऐसे शिक्षक–प्रशिक्षण की व्यवस्था करना, जिससे हमारे प्रशिक्षणार्थी नैतिक मूल्यों तथा उच्च मानवीय आदर्शों को अंगीकृत किए ऐसे शिक्षक बनें, जो समाज तथा राष्ट्र के भावी कर्णधारों को शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के संरक्षक तथा संवाहक की सफल भूमिका का निर्वहन कर सके। चूंकि हमारी यह पत्रिका द्विवार्षिक पत्रिका है जिसके सृजन की नींव जुलाई 2020 में ही पड़ जाती है इसलिए यहां तत्कालीन समाज में फैली कोरोनावायरस की भीषण विभीषिका की थोड़ी चर्चा अपेक्षित है कि किस प्रकार इस अदृश्य वायरस के कहर ने मानव जीवन की समस्त गतिविधियों पर एक विराम सा लगाकर जीवन को ही निष्प्राण तुल्य कर दिया था। परंतु उन विषम परिस्थितियों में भी महाविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियां बाधित न हों, इसलिए ऑनलाइन मोड पर विभिन्न आभासी मंच यथा माइक्रोसॉफ्ट टीम, जूम, गूगल मीट अर्थात वेब आधारित शिक्षा के विभिन्न माध्यमों से शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को संचालित करवाया जिससे शिक्षा प्राप्त करने की धारा अविरल रूप से प्रवाहित होती रहे।

प्रशिक्षणार्थियों के ज्ञान को विस्तार मिलता रहे, इसलिए महाविद्यालय में Add-on-Course के अंतर्गत पांच नए पाठ्यक्रम विकसित किए गए, जिनमें दो पाठ्यक्रम को व्यावहारिक रूप दिया जाने लगा जबकि शेष तीन पाठ्यक्रम क्रियान्वयन की प्रतीक्षा सूची में है।

समय–समय पर महाविद्यालय विभिन्न प्रकार की शिक्षणेत्तर गतिविधियां यथा वाद–विवाद, काव्य पाठ, निबंध लेखन, पेंटिंग, पोस्टर, रंगोली बनाना, विभिन्न सामुदायिक कार्यों में सक्रिय सहभागिता हेतु स्वच्छता कार्यक्रम विभिन्न प्रासंगिक विषयों पर रैली का आयोजन, पौधारोपण, एस.यू.पी.डब्ल्यू, एस्थेटिक वर्क, वॉल मैगजीन, स्काउटिंग–गाइडिंग किम् बहुना वो समस्त कार्य एवं गतिविधियां जो प्रशिक्षणार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए आवश्यक है, का आयोजन करता रहता है। ''शरीर खलु धर्म साधनम्'' की उक्ति को दृष्टिगत रखते हुए प्रशिक्षणार्थियों के उत्तम शारीरिक स्वास्थ्य तथा शारीरिक सौष्ठव के लिए इनडोर तथा आउटडोर गेम का आयोजन भी पाठ्यसहगामी क्रियाओं की श्रृंखला की ही एक महत्वपूर्ण कड़ी है जिसका आयोजन समय–समय पर किया जाता है।

चूंकि महाविद्यालय में देश के विभिन्न अंचलों से प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण हेतु आते हैं इसलिए उनकी मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखने तथा उन सुविधाओं को उन्हें मुहैय्या करवाना भी मेरा परम दायित्व है जिससे उन्हें किसी भी प्रकार से कोई भी समस्या ना हो। इन सुविधा को और अधिक विस्तार देते हुए महाविद्यालय में विभिन्न प्रकार की समितियां, प्रकोष्ठ तथा सेल बनाए गए। लैंगिक उत्पीड़न के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के अनुपालन में महाविद्यालय की प्रॉक्टर कमेटी अत्यंत सक्रिय है।

कुल मिलाकर यह प्रशिक्षण महाविद्यालय अपने प्रशिक्षणार्थियों को ज्ञान दीप से आलोकित करता हुआ अपने गौरवपूर्ण अतीत से पूर्णतया अभिप्रेरित हो उसकी सुविधाओं एवं गुणवत्ता की उन्नयन करते हुए भविष्य की भित्तियों पर अपनी सफलता के चित्रों को उकेरने की दिशा में सतत रूप से चलायमान रहे, यही मेरी प्राथमिकता और यही मेरा समर्पित प्रयास है। मुझे इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि हमारे शिक्षकगण भी मेरे इस लक्ष्य को पूर्ण करने में पूर्णतया समर्पित हैं। अंत में, मैं महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षणार्थियों, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा संपादक मंडलों को शुभकामनाएं देती हूं और विशेष रूप से प्रस्तुत पत्रिका को अपने शुभ संदेशों से अलंकृत करने वाले विद्धत जनों के प्रति विशेष आभार प्रकट करती हूं।

भूयात्सर्व सुमंगलम

प्रो० अन्जना श्रीवास्तव
प्राचार्या

डा० अंजना श्रीवास्त

स्थापना वर्ष
के.पी. बी.एड. कालेज

के.पी. बी.एड. कालेज

के.पी. बी.एड. कालेज

स्थापना वर्ष
के.पी. बी.एड. कालेज
आपका हार्दिक स्वागत व अभिनन्दन करता है

विवरणिका

सम्पादकीय 21

अमृतकाल 22

कोशिश 23

मैं कब हारी हूँ 23

शिक्षा-सामूहिक शिक्षा का हथियार 24

चलता चल 25

अपमान नहीं सम्मान है वो 25

जल की कीमत 26

स्त्रियों की समस्याएं 26

तू बढ़ता जा... तू बढ़ता जा... 27

बेटियाँ हिन्दुस्तान की 27

फुटपाथिए 28

अपना दायित्व 29

सफलता के पाँच सूत्र 30

विज्ञान के दोहे 30

घर याद आता है मुझे 31

K.P.T.C. The Teacher Maker 32

Education is our Right 32

Avengers & the Schools of Philosophy 33

Teacher Learning/Pupil Teacher 34

The Wonder of Reading 35

NEP 2020 :- "Multiple Entry and Exit System" (MEES).........	**43**
मालवीय जी के शैक्षिक विचार	**44**
Quality Management in Education Why & How?	**46**
युवाओं में मद्यपान व औषधि व्यसन की समस्या	**49**
वार्षिक आख्या	**50**
Committees List 2021-22	**58**
Committees List 2022-23	**60**

सम्पादकीय.......

अध्यापक-शिक्षा एक ऐसी शैक्षिक व्यवस्था है जिसमें छात्राध्यापकों को, जो कि देश के भावी शिक्षक होंगे, इस प्रकार से प्रशिक्षित किया जाता है जिससे ज्ञान, मूल्यों तथा संस्कृति का एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक इस प्रकार हस्तान्तरण किया जाए जिससे उनमें शैक्षणिक तथा विकासात्मक उत्तरदायित्वों का आरोपण किया जा सके। उनमें सांस्कृतिक दक्षता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, प्रयोगधर्मी सोच तथा मानवीय प्रवृत्ति विकसित हो सके। शिक्षक-शिक्षा की व्यवस्था एवं संयोजन कुछ इस प्रकार से हो कि प्रशिक्षणार्थियों की व्यावसायिक दक्षता को निखार कर उनके संवेगात्मक पहलू को सुदृढ़ता प्रदान किया जा सके। इन समस्त महत्वपूर्ण तथ्यों को अत्यन्त सहजता से व्यावहारिक रूप प्रदान करता यह महाविद्यालय 1951 से अद्यतन अपने प्रशिक्षणार्थियों को राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षक की आधुनिक तथा बदलती हुई भूमिका का निवर्हन करने की योग्यता तथा दक्षता में खरा उतारने का दायित्व पूर्ण निष्ठा के साथ निभा रहा है। परन्तु इस आधुनिकता की चकाचौंध में भी इस महाविद्यालय ने अपने प्रशिक्षणार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत से अलग नहीं होने दिया वरन् सम-सामयिक मांगों पर भारतीय संस्कृति, मूल्य तथा सम्मानीय धरोहरों का कलेवर चढ़ा कर अपने प्रशिक्षणार्थियों को समय के साथ-साथ आगे बढ़ने का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। नि:संदेह ऐसी परिस्थितियों के सृजन में महाविद्यालय की बहुमुखी प्रतिभा की धनी सौम्य स्वभाव वाली **प्राचार्या प्रो० अंजना श्रीवास्तव** की अहम भूमिका है जिन्होंने अपने कुशल नेतृत्व तथा सुप्रशासन में अध्यापक शिक्षा के मिशन को बखूबी पल्लवित और पुष्पित करते हुए उसे मुखरित किया है। प्रस्तुत पत्रिका के प्रकाशन के सन्दर्भ में आपका अभिभावकत्व पूर्ण सहयोग एवं परामर्श हम सभी को अन्त:करण से अभिभूत कर जाता है जिसके लिए मैं आपके प्रति श्रद्धावनत भाव से आभारी हूँ।

महाविद्यालय के माननीय प्रबन्धक तथा प्रस्तुत पत्रिका के संरक्षक **मा० चौ० जितेन्द्र नाथ सिंह** के प्रति मैं सादर और सहृदयता पूर्ण भाव से हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ जिनकी ओजस्विता तथा गरिमायी उपस्थिति पूरे महाविद्यालय परिवार को प्रत्येक परिस्थिति में अपना मार्ग प्रशस्त करने को प्रेरित करती है। प्रस्तुत पत्रिका के प्रकाशन हेतु आपकी शुभकामनाएं तथा सहयोग के लिए मैं हृदय तल से आपके आभारी हूँ।

मैं कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ अपने विश्वविद्यालय की मुखिया माननीय कुलपति महोदया के प्रति, जिनके आशीर्वचन तथा शुभकामनाओं से महाविद्यालय अपने बहुमुखी विकास की दिशा में अग्रणी है। प्रस्तुत पत्रिका के प्रकाशन से सम्बन्धित आपके द्वारा दिए गए शुभ-संदेश को महाविद्यालय परिवार शिरोधार्य करता है।

मैं हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ अपने सम्मानीय अग्रजों के प्रति जिनके द्वारा प्रेषित शुभ संदेश महाविद्यालय के लिए वो महत्वपूर्ण प्रकाश-स्तम्भ साबित होंगे, जिनकी रोशनी में महाविद्यालय अपने बहुमुखी विकास के मार्ग को प्रशस्त कर चतुर्दिक ख्याति का भागीदार बनेगा।

मैं आभारी हूँ अपने प्रिय सहयोगी शिक्षकों के प्रति जिनके सहयोग से प्रस्तुत पत्रिका का प्रकाशन त्वरित गति से सम्भव हो सका। हम शिक्षकों के बीच व्याप्त 'हम' शब्द ने इसके संकलन के कार्य को सहज रूप प्रदान किया।

मैं विशेष रूप से स्नेहिल आभारी हूँ अपने प्रिय प्रशिक्षणार्थियों के प्रति, जिनकी उर्वर बौद्धिक क्षमता से प्रस्फुटित रचनाओं ने प्रस्तुत पत्रिका को अस्तित्व प्रदान कर उसे पठनीय बनाया है।

अन्ततः मैं हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ प्रस्तुत पत्रिका के प्रकाशक श्री ऋषु साहू जी के प्रति जिनके अनवरत प्रयास ने प्रस्तुत पत्रिका के कलेवर को अन्तिम रूप प्रदान कर उसे '**भव्य**' का रूप दिया।

डॉ० (श्रीमती) शक्ति शर्मा
एसोशिएट प्रोफेसर
के.पी.ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

अमृतकाल

अमृतकाल की पावन बेला,
वीरों का जयगान करें।
जिनके रुधिर कणों का ऋण है,
उनका यह यशगान करें।

प्राणों की वर्तिका बनाकर,
आरती की थाल सजायी है।
ऐसे पुष्प चुनें वनमाली,
जिन्हें वीरगति भायी है।

वीरों की तो बात निराली,
और निराले वे जन हैं।
जो इस माटी के हित में,
तन-मन-धन से तत्पर हैं।

धन्य अधर वे धन्य कंठ वे,
जो भरत का जयगान करे।
अमृतकाल की पावन बेला,
वीरों का यशगान करें।

भरत, कृष्ण, प्रहलाद, आरुणि,
वीर भूमि की थाती यह।
गार्गी, अपाला, लोपामुद्रा,
मैत्रेयी की धाती यह।

अजर अमर इस परंपरा का,
सानी नहीं कोई जग में।
बनते मिटते रहे राष्ट्र,
काल के भीषण डगमग में।

हो श्रेयस्कर राष्ट्रहित में,
उस पथ का अवधान करें।
अमृतकाल की पावन बेला,
वीरों का जयगान करें।

अमृतकाल के वर्ष सुहाने,
२५ वर्ष हैं आने को।
स्वाधीनता के कालखंड में,
वर्ष शताब्दी मनाने को।

जय हे! जय हे! मंगल ध्वनि से,
गुंजित हम संसार करें।
वीर प्रसूता के हित में हम,
गांडीव की टंकार करें।

राष्ट्रहित में वर परमेश्वर,
मनभावन हिन्दुस्तान करें।
अमृतकाल की पावन बेला,
वीरों का जयगान करें।

अभिषेक कुमार त्रिपाठी
छात्राध्यापक, चतुर्थ सेमेस्टर

कोशिश

हमारे जीवन में अपने लक्ष्य को पाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। जब हम अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए मेहनत करते हैं और अपना पूरा समय देतें हैं लेकिन फिर भी अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाते तब हमारे मन में उदासीनता घर कर लेती है। इससे हमारा हौसला और साहस कमजोर पड़ जाता है ऐसे में थक कर बैठ जाते हैं तब ऐसे समय में प्रेरणा की आवश्यकता होती है। महान लेखकों और विद्वानों ने प्रेरणा युक्त कई ऐसी कविताएं लिखी है जिससे हम अपने आप में एक नई ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं।

आनंद परम जी द्वारा लिखित रचना...

कोशिश कर, हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा,
अर्जुन के तीर सा सध
मरूस्थल से भी जल निकलेगा
मेहनत कर पौधों को पानी दे
बंजर जमीन से भी फल निकलेगा
ताकत जुटा, हिम्मत को आग दे
फौलाद का भी बल निकलेगा
जिंदा रख, दिल में उम्मीदों को
गरल के समंदर से भी गंगाजल निकलेगा।
कोशिश जारी रख कुछ कर गुजरने की
जो है आज थमा-थमा सा, चल निकलेगा।

कवि की कविता से हमें यह सीख मिलती है कि जीवन संघर्ष का ही नाम है कभी थमना नहीं बल्कि आगे बढ़ना और संघर्ष करना, कठिनाईयों का सामना करते हुए परिश्रम से सफलता प्राप्त करने की सीख देता है।

शिवानी पाल
छात्राध्यापिका, चतुर्थ सेमेस्टर

मैं कब हारी हूँ

मैं कब हारी हूँ कांटो से,
घबरायी कब तूफानों से?
हूँ अंश मैं उस परमेश्वर की,
टकरा जाती हूँ चट्टानों से।

हूँ परिधि की कोई सूक्ष्म बिंदु,
या हूँ अनंत अंबर-सी मैं।
प्रीत सुधा सी पगा भ्रमर हूँ,
या अंश अवमि की बंजर मैं।

कवि हृदय पटल की काव्य शक्ति,
या सपनों की यायावर हूँ।
हूँ मृदुल शून्य झनकार-सी मैं,
या नवज्योति की आगार हूँ।

माँ की ममता की हूँ आंचल,
या मृगनयनी का काजल हूँ।
शिव शशि चढ़े वो चिता धूल,
या प्रियतमा को मैं पायल हूँ।

मैं महाप्रलय हूँ काली-सी,
या तरंगिणी की उद्‌गम हूँ।
त्रैलोक्य हुआ पावन जिससे,
वो गंगा-यमुना का संगम हूँ।

कीर्ति चन्द्रा
छात्राध्यापिका, चतुर्थ सेमेस्टर

शिक्षा - सामूहिक शिक्षा का हथियार

Education - Weapon of Mass Instruction

''पढ़ाई-लिखाई'' यह सिर्फ एक मामूली सा जुमला नहीं है, जो आम तौर पर बच्चों को जिम्मेदारी का एहसास दिलाने के लिए कहा जाता है, पर ये काफी सोच समझ कर और मकसद से बनाया गया एक हथियार है। ''हथियार'' शब्द सुनकर घबराने नहीं, खुश होने की जरूरत है, क्योंकि इससे जिस दुश्मन का खात्मा किया जाता है, वो है ''ला-इल्मी'' यानी ''अज्ञानता'' चूंकि इसका असर काफी बड़े पैमाने पर होता है, इसलिए इसे ''सामूहिक शिक्षा का हथियार'' कहना मेरी समझ में गलत तो नहीं होगा।

कई दफा ऐसा होता है कि हम किसी काम के लिए मना करना चाह रहे हैं, तो हम कई बार खुले तौर पर बोल के मना कर देते हैं, तों कई दफा कहने का तकल्लुफ किए बिना, सिर्फ वो काम नहीं कर के, जो हमसे कहा गया है। लेकिन एक बात सोचिए, आज भी क्या कोई कहता है कि पढ़ाई नहीं करना चाहिए? बिल्कुल नहीं। लेकिन हां, पढ़ाई को संजीदा तौर पे ना करके यही काम करते हैं। इसे पढ़ाई के लिए मना करना, या अमल से झुठला देना कहा जाता है। हैरत तो ये सोच होती है, कि वो शख्स उससे कुछ काम नहीं, जिसे बेशुमार दौलत पेश की जा रही है, और वो लेने से मना कर दे। ये कमी कहीं नकहीं सोच की है, जहाँ पर हमने और हमारी शिक्षा प्रणाली ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया।

किसी भी काम के होना या ठीक से नहीं हो पाने के पीछे की असल वजह है सोच। अगर एक शख्स ये सोचता है कि मेरे पास दौलत होनी चाहिए, नहीं तो भूखा मर जाऊँगा, तो वो एड़ी चोटी का जोर लगा देगा उसे हासिल करने में।लेकिन आखिर से सोचने में क्या रुकावट पेश आई कि पढ़ाई-लिखाई भी जरूरी है, और उतना ही जरूरी है जितनी कि सिर पर छत होना।

पढ़ाई की ज़रूरत में ये बात तो सभी को समझ आती है कि एक पत्नी और बहू पढ़ी-लिखी ही चाहिए, वरना घर में बहुत सी परेशानियाँ आएंगी और चार लोगों में इज़्ज़त नहीं रह जायेगी। मगर यह क्यों नहीं समझ आता है कि पढ़ी-लिखी लड़कियां भी तभी मिल पाएंगी जब वो भी अपनी लड़कियों को अच्छी तरह पढ़ायेगें। अच्छी तरह पढ़ने से मेरा मतलब ९०% अंक बिलकुल नहीं है। मतलब ये कि आप किसी भी चीज को अच्छी तरह से समझ व सीख सकें। दूसरों के साथ समायोजन में दिक्कत न हों, समाज में रहने का तौर तरीका और सलीका आता हो। अक्सर पढ़ाई-लिखाई को हम परीक्षा में मिलें अंक और डिग्री से जोड़ देते हैं, पर ऐसा नहीं है। एक महान शख्स ने कहा था-

''डिग्रींयां तो तालीम के खर्च की रसीदें हैं, असल इल्म तो वो है जो किरदार में झलकता है''

बड़े अफसोस की बात है कि आज हमारी सारी की सारी कोशिश सिर्फ डिग्रियां हासिल करने पर हैं उससे कुछ सीखकर अपनी जिन्दगी में उतारने पर नहीं। बल्कि इससे भी बुरी बात तो ये है कि हम अपनी डिग्री को घमण्ड करने और दिखावे का सामान समझने लगे हैं। एक अच्छे विश्वविद्यालय से पढ़ने बाद भी अगर हम यही सोचते रहे कि हम दूसरों से बढ़कर हैं, दूसरों के पास हमारे सीरत और किरदार पर इसका कोई असर ही नहीं हुआ। अगर हम वाकई कुछ पढ़ते, वहां के माहौल से फायदा उठाते तो सीखने के लिए पहला सबक दूसरों की, इल्म की, उस्ताद की और किताबों की इज़्ज़त थी।

अगर कभी कोई तालीम का असल मकसद पूछता है तो पहले तो यही सवालात दिमाग में आते हैं-क्या है तालीम? क्या ये सिर्फ वो डिग्री है, जिसे देख्कर नौकरी या प्रवेश दिया जाता है? या वो फिर अंदर का एक बदला हुआ स्वभाव है जिसकी बदौलत हम दूसरों की परेशानी और उसका समाधान ढ़ंढ पाते हैं, जिसके जरिए हम इस कायनात को बनाने वाले खुदा से करीब हो जाते हैं, जिससे हम अपने बच्चों की अच्छी तरबियत कर पाते हैं जों हमारे मन के ख्यालों को सही मायने में आज़ाद करती है, उसे कह पाने के लिए अल्फाज देती है, हमारी सोच-विचार और समझने की ताकत को एक शक्ल देती है। आपके नज़दीक क्या है तालीम?

हम ये सोच रहे हैं कि हमने जो सलूक अपनी डिग्रियों के साथ किया है, क्या वो सही है ? और हमने बगर सही मायनों में स्कूल और कॉलेजों में तालीम नहीं ली है, तो क्या क्या लिया है?

अलकहफ

छात्राध्यापक, चतुर्थ सेमेस्टर

चलता चल

इक आस जगी है दिल में
विश्वास भरने के लिए ।
संघर्ष कर, रख हौसला,
जीवन सवांरने के लिए ।।

आंखों में सपनो को लिए
दिल में जले अरमानों के दिए
हर कदम तेरे बढ़ते ही चले
मंजिल के लिए, मंजिल के लिए।।

राहों में मुश्किल के कांटे
दर्द देगें जरूर कुछ पल के लिए
कर्त्तव्य मार्ग पर तू चल के
खुश कर ले जीवन कल के लिए।।

बस मेहनत ही तो करना है,
सपनों को सच करने के लिए।
फिर घड़िया भी साथ चलेंगी तेरे,
खुशियों के लिए, खुशियों के लिए ।।

अजय कुमार
छात्राध्यापक, चतुर्थ सेमेस्टर

अपमान नहीं सम्मान है वो

अपमान नहीं
सम्मान है वो
तिरस्कार के
कटु–वचन नहीं,
उन्नति का मूल मंत्र है वो !

अपमान नहीं
सम्मान हैं वो
निंदा भरी परिभाषा नहीं,
प्रशंसा भरा श्लोक हैं वो !

अपमान नहीं सम्मान है वो
क्रोध में देखती घृणित आँखे नहीं,
प्रगति की ओर ठेलते – चमकीले नथन हैं वो !

अपमान नहीं सम्मान है वो
तिरस्कार रूपी विष का प्याला नहीं,
सुख समृद्धि भरी स्वास्थ्यवर्धक बूटी हैं वो !

अपमान नहीं सम्मान है वो
लज्जित शब्दों के बाण से निकले तीर का घाव नहीं,
घाव को भर जीवनदान देने वाली
संजीवनी है वो !

कीर्ति चन्द्रा
छात्राध्यापिका, चतुर्थ सेमेस्टर

जल की कीमत

कहा जाता है ना कि किसी भी वस्तु की कीमत का तब चलता है जब व्यक्ति को उस वस्तु का अभाव हो। अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के लगभग २६% लोंगो को शुद्ध जल प्राप्त नहीं हो पा रहा है और हमारे देश देश के केरल राज्य के तटों पर बसे लोगों को भी पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा, क्योंकि उन्हें जलकूप से भी खारे जल का सामना करना पड़ रहा है।

हमें अपने दैनिक जीवन में जल की कीमतों को ध्यान में रखते हुए जल का मितव्ययी होना चाहिए ताकि जल को बर्बाद होने से बचाया जा सके। अन्यथा हमें उस कल का सामना करना होगा जहां जल की कमी तो होगी ही और साथ ही साथ उसकी कीमत भी आसमान को छू लेगी और हमारे दैनिक क्रियाओं, व्यवहारों तथा नैतिक मूल्यों को भी प्रभावित करेगी।

अनिकेत कुमार
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

स्त्रियों की समस्याएं

हमारा देश पुरानी परंपराओं को छोड़कर आधुनिक रीति-रिवाजों को धीरे-धीरे स्वीकार कर रहा है। कहते हैं कि परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है, किन्तु परिवर्तन का परिणाम क्या है? क्या होगा? क्या नई पीढ़ियाँ उसे स्वीकर करेगी? हर युग में देखा जाता है है कि महिलाएं अपने कार्य क्षेत्र के कारण महान व्यक्तित्व को प्राप्त करती है जैसे-सावित्री बाई फूले, मदर टेरेसा, मैडम भीखाजी कामा।

किन्तु आज की महिलाओं को साक्षर होने के साथ-साथ एक अच्छी बहू-बेटी भी बनना पड़ता है और समाज यह भी चाहता है कि उनका अन्य कार्यों में भी कौशल प्राप्त हो जैसे-अच्छी गृहणी, बच्चों का पालन-पोषण करना तथा घरों के साथ-साथ दफ्तरों में भी काम करना। यह स्त्रियों की इच्छाओं तथा व्यक्तित्व को दबाकर रखता है जिससे महिलाएं अपने आप को तनाव में रखकर जीवन व्यतीत करती हैं।

अनिकेत कुमार
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

तू बढ़ता जा...तू बढ़ता जा...

जीवन एक संघर्ष है, संघर्ष में भी हर्ष है।
संघर्ष हर्ष के योग से अच्छे विमर्श को गढ़ता जा
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा.....

संघर्ष की इस राह में, ऐसा दिन भी आता है
हो जाता है अपना–पराया, पराया साथ निभाता है
लेकर साथ उन्हीं अपनों का, तू मुश्किलों से लड़ता जा
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा.....

कितने तुमसे रूठेगें, कितनों का साथ छूटेगा
डर मत तू इन बाधाओं से
मिसाल उनके लिए तू बनता जा
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा.....

हो ख्वाब पर्वत सा अडिग, ना रख भरोसा भाग्य का
हो दृढ़ निश्चय खुद में तू, संकल्प रख तेरे ख्वाब का
मेहनत पर तू विश्वास कर, और ख्वाब पूरा करता जा
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा.....

एक अमर ज्योति जलाने को
पार्थ स्वयं बन जाने को
सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता जा
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा.....

पुष्कर कुमार
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

बेटियाँ हिन्दुस्तान की

उम्मीद की किरण बने रोशनी,
रगों में दौड़े खून बनकर
हिम्मत जिनकी आएं सामने
एतबार का जरूरत बनकर
तो क्या जरूरत है किसी के एहसान की
अपना मुकद्दर खुद लिखेंगी
बेटियाँ हिन्दुस्तान की.....

अंतरिक्ष की सैर करना था
कल्पना चावला का अरमान,
मेहनत और जुनून से पूरा किया अरमान को,
बाजी लगाकर जान की
अपना मुकद्दर खुद लिखेंगी
बेटियाँ हिन्दुस्तान की.....

देखो सुनीता विलियम्स ने भी
पूरे किये हैं सपने,
हीरा तो मिल जायेगा, बस
जरूरत है कोयले की खान की
अपना मुकद्दर खुद लिखेंगी
बेटियाँ हिन्दुस्तान की.....

इंदिरा गांधी भी तो थी हमारे देश की बेटी,
हम भी बन दिखलाएंगी उनके जैसी
समाज और देश तो आगे बढ़ जाएंगें
बस जरूरत है सही सोच और ज्ञान की
अपना मुकद्दर खुद लिखेंगी
बेटियाँ हिन्दुस्तान की.....

प्रदीप यादव
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

फुटपाथिए

हाँ, मैं उन्ही लोगों की बात कर रहा हूँ जो अक्सर चौड़ी–चौड़ी सड़को के किनारे पटरियों पर रहते हैं। किनारा जिसे पैदल चलने के लिए बनाया गया है। वैसे तो आजकल कोई पैदल नहीं चलता, फिर भी इस औपचारिकता का भारत में भरपूर इस्तेमाल होता है। यह फुटपाथ किसी का मकान है, तो किसी की दुकान है। फुटपाथिए वे लोग हैं जो पटरियों पर बेखौफ सोते हैं, यह जानते हुए कि हो सकता है कि कोई रईस नशे में आए और कुचल कर चला जाए, अक्सर होता भी है, आए दिन अखबारों में पढ़ते भी हैं।

दिल्ली में न जाने कितनी ही ऐसे फुटपाथ है जिन पर ये लोग सोते हैं न केवल दिल्ली ही अपितु लगभग सभी शहरों का यही हाल है। सड़क के किनारे बसे ऐसे हजारों लोगों के जीवन पर मौत का साया हमेशा मँडराता रहता है।

अब आइए एक बार आंकड़ों पर गौर फरमाते हैं, भारत में करीब 5.3 लाख लोगें के पास घर नहीं है। सरकार का कहना है कि 41 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट इन लोगों को आवास उपलब्ध कराने के लिए चलाया जा रहा है। रकम तो बहुत बड़ी है लेकिन इसका अगर आधा भी इन लोगों के पास पहुँच जाए तो उनका भला हो जाए। 1.77 मिलियन लोग ऐसे हैं जो सड़क के किनारे पटरियों पर, प्लेटफार्म पर गुजारा करते हैं। अगर हम झुग्गी–झोपड़ियों वालों को भी शामिल कर लें तो दृश्य काफी डरावना हैं। दिल्ली में 0.28%, राजस्थान में 0.26%, उत्तर प्रदेश में 18.56%, महाराष्ट्र में 11.19% लोंगो के पास अपने घर नहीं है। ये लोग जाएं तो कहाँ जाएं।

एक तरफ हम बड़े–बड़े ई–कामर्स इमारतें बना रहें हैं विशेष सुविधाओं से युक्त, तो दूसरी तरफ किसी को घर तक नसीब नहीं हो पा रहा है। सरकार स्वर्णिम भारत के निर्माण की बात करती है लेकिन जब तक समाज के सबसे निर्धन तबके का विकास नहीं होगा तब तक स्वर्णिम भारत का सपना साकार कैसे होगा?

वैसे हो कुछ भी एक बात तो माननी पड़ेगी कि जिस सुकून, बेखौफियत के साथ ये फुटपाथिए यहाँ सोते हैं, उतनी बेखौफियत एवं सुकून के साथ विशेष प्रकार की सुविधाओं से युक्त अपने घरों में सोने वालों को नींद नहीं आएगी, ये बात मैं दावे के साथ कह सकता हूँ।

प्रदीप यादव
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

अपना दायित्व

बच्चे होते चतुर बहुत ये बात समझते है सबकी।
हमको कोई क्या बता रहा है? समझ उन्हें इसकी रहती।।
मीठी बोली है अप्रिय किसे, इससे पत्थर भी पिघल जाते।
बच्चों में वो स्वाभिमान है, वे भी इससे जग जाते हैं।।
मीठी बोली जब वे सुनते उनका मस्तक झुक जाता है।
सम्मान उसी का करते हैं जो मीठे बोल सुनाता है।।
जो गरज-अगड़ उनसे बोले और अपना रोब जमाता है।
उनके द्वारा अपमान सह-बेइज्जत अपनी करवाता है।।
छोटे बच्चे तो हरे बांस जैसे मोड़ मुड़ जाते हैं।
जिस सांचे ढ़ालोगे, वे झट उसमें ढल जाते हैं।।
शिक्षा कैसे दी जाती है और शिक्षक कौन कहलाता है?
शिक्षक के हैं क्या गुण होते हैं, यह स्वयं हमें बतलाना है।।
शिक्षा व्यापार बनी जबसे-तबसे शिक्षक का मान घटा।
नौकरी कर रहे हैं लाखों, जीवन भर वेतन तक रूका हुआ है।।
यह बात नहीं मालूम उनको किसलिए हमें दायित्व मिला।
कर्तव्य मूल क्या है मेरा, इसका खुद उनको नहीं पता ।।
शिक्षक तो वे कहलाते हैं, जो विनम्र भाव के होते हैं।
शील-स्नेह और दया भाव से हरदम तत्पर रहते हैं।।
शिक्षक ही ऐसी सेवा है जिसकी है सांस नहीं रुकती।
कब कौन कहाँ पर मिल जाए उसकी सेवा है जो करनी।।
शिक्षक दायित्व बहुत भारी कम ही लोग निभा पाते।
मानव से धरा नहीं खाली पर है मनुष्य कम बन पाते।।
है यही सोचना आज हमें जिसमें शिक्षक का मान बढ़े।
शिष्यों को हम यह सिखलाएं, जिससे उनके कदम बढ़े।।
संस्कार इतना भर दें, जितना अपने में नहीं रहा।
पल-पल पर जिससे नाम जपें कि शिक्षक कोई मेरा रहा।
संस्कार जब उन्हें मिलेगा जीवन धन्य हो जायेगा।
पाकर मानव जन्म सही वह कभी नहीं पछतायेगा।।

मनीषपति त्रिपाठी
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

सफलता के पाँच सूत्र

1. **उत्तम विचार रखिए –** धोखेबाजी या स्वार्थपरता हानिकारक है, इनसे घृणा, अपमान उपहास का सामना करना पड़ता है अतः सद्विचार रखिए और करिए। आत्मविश्वास और आत्मोलोचन सफलता की कुंजी है।

2. **शक्तिवान बनें –** शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास जीवन का ध्येय होना चाहिए। शक्तिशाली व्यक्ति ही जीवित रहता है पूजा जाता है।

3. **वास्तविकता को समझें –** पहली वास्तविकता तो यहीं है कि गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के इस दौर में दूसरों से वांछित सहयोग मिलेगा इस आशा में न रहें इस सच को स्वीकारें कि आज के इस युग में अपनी पहचान बनाने में आपको स्वयं पर विश्वास करना होगा।

4. **आगे की योजना बनाएं –** दिन की शुरूआत से पूर्व अपने मस्तिष्क में विभिन्न कार्यों को पूरा करने के लिए एक खाका बना लें और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर वर्गीकृत करें और इससे विचलित न हों।

5. **सकारात्मक सोचें –** कैरियर में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक सोंच जरूरी है, प्रसन्नता की राह में ईर्ष्या एक बड़ी बाधा है जो लोग अपने सहकर्मियों से ईर्ष्या करते हैं वे जीवन में पीछे रह जाते हैं, अच्छे व्यक्ति भावों में अपनी ऊर्जा व्यर्थ नहीं करते उनका ध्यान केवल अपने लक्ष्यों को हासिल करने में होता है।

मनीषपति त्रिपाठी
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

विज्ञान के दोहे

मटर उगाकर खेत में दिया नया विज्ञान।
आनुवांशिकता के जनक मेण्डल हुए महान।।
दोस्तों से प्यार की बातें कराता कौन।
ग्राहम बेल का शुक्रिया दे गये टेलीफोन।।
किसी जीव का किसी जगह होता है स्थान।
ऐसा लिनियस ने दिया है वर्गीकरण विज्ञान।।
नीले लिट्मस पेपर को कर देता वह लाल।
कहते हैं हम अम्ल उसे अंग न देना डाल।।
चाहे घर रोशन करो कि सुनो ग्रामोफोन।
एडीसन और भला आविष्कारक कौन।।
कौन किसका पुरखा है इसका मिला प्रमाण।
डार्विन के कारण हुई इसकी पहचान ।।
इस वसुधा पर हर कहीं है ये विराजमान।
धन्य ल्यूवेनहॉक जो दिया जीवाणु विज्ञान।।
स्टार फिश व जैली फिश अथवा हो डॉल्फिन।
भिन्न-भिन्न सब जन्तु है इसमें एक ना मौन।।
HCL के साथ मिल HNO_3 हो जाय।
सबसे घातक अम्ल फिर अम्लराज बन जाय।।
कैसी तारों की बस्ती या उनका आलोक।।

मनीषपति त्रिपाठी
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

घर याद आता है मुझे

घर में बच्चे मशहूर होते हैं,
हम भी रोते हैं जब घर से दूर होते हैं।
मैंने जब घर छोड़ा था
माँ–बाप ने मुड़–मुड़ कर देखा था।
कहती है दुनिया बेटियां घर की लक्ष्मी होती हैं।
हम बेटे भी तो कुबेर होते हैं।
अब तो बस यादें ही जा पाती है गांव हमारे
हम तो घर से दूर ही होते हैं
निकले थे सपने पूरे करने अपने माँ–बाप के हम,
अब उनके ही सपने में आने लगे है हम।
कभी इतिहास ने सिखाया, कभी भूगोल ने घुमाया, राजनीति को भी आजमाया।
जब रात में थक कर हारे हम, तब अपना घर याद आया।
सिमट कर खुद को एक झोले में, घर से निकल आये थे हम,
माँ–बाप का प्यार, बहनों का दुलार, दोस्तों का साथ सब छोड़ आये थे हम।
विफल होने पर जमाने के ताने भी सुनते है हम,
फिर भी न कोई बहाने देते हम।
सपने, हौसले और दिल भी टूट जाते हैं
हम भी रो देते हैं, जब खुद की जंग खुद से हार जाते हैं।
फिर एक सवेरा हुआ, बसंत ऋतु का आना हुआ
होकर सफल मैं जब घर को आया,
दुनिया की सारी खुशी, माँ–बाप की मुस्कान को देखकर पाया
मेहनत मेरी रंग लाई, आज फिर मेरे घर होली आई
बुढ़ापे में माँ–बाप का सहारा बनूँगा, मैं इस कलियुग का श्रवण कुमार बनूँगा।

अनुराग सिंह
छात्राध्यापक, द्वितीय सेमेस्टर

K.P.T.C.

The Teacher Marker

K.P.T.C., a institute full of wonder full experiences although it look like normal teaching institute which conduct B.Ed Course. But when you get inside it, it has lot more to given you a mesmoriging feeling. when I had taken admission, I was quit irritated with the time schedule of this college of 10:30 am to 5:00 pm become it has taken the whole day of my studying the competition. But days after days, I realised that I started enjoying it because of behaviourial treatmenter you can say a living experiences of handling the student given by my teachers.

I have seen the first institution in my whole life where principal teachers the class along with handling the whole management of college in a smooth way. this is preformed by our Principal, Dr. Anjana Srivastava Very well. In this institution, there is our Hindi Teacher, Dr.Shakti Sharma, who has a perfect sweetness in her voice and her motherly Nature will not let you feel that you are away from your home . Then there is our science and maths teacher, Mr. Atul Gurtu, who had a different way of perception and his logic will definitely allow you to look at a new mindset of seeing things. Then, we have our English teacher, Dr. Namita Sahoo, Whose amazing examples of teaching will never allow you to forget any of the theories of learning. We also had our Sanskrit, Geography teacher, Dr. Rajesh Kumar Pandey, who had a crtain calmnes in his life which helps in understanding the situation and reacting quite well. We also had our Biology teacher, Dr. Priyanka Singh, who had a marvellous combo of sweetness as well as strictness. She know how to handle students with which quality. These Professors of K.P.T.C., everyone if expert in this field, which will open the gate of Creativity, intelligenc, supervision and many more of your mind each quality should be grapsed by the students There is a lot of activities happening in the college which will taught you a lot more with fun.

I am very thankful to be a part of it and become a member of this Jamil and will never forgot these one and a half year of my life in Prayagraj.

Thankyou K.P.T.C. for Making me a Complete individual.

Prince Chaurasia
Zender Champion
4th Semester

" Education is our Right"

Education is our right
Which make our future bright
Education is the wonderful vision
Very far from gender, caste & religion.

It's not only the bookish knowledge
It's not only we study in college
It's the knowledge of our insight
Education is our right
Which make our future bright

Education teach a moral life
Which guide us to No-Bribe
Once Mandela Said,
Education is a power full weapon
Through which you can change your nation.

It help us to reach successful night
Education is our right
Which make our future bright

A degree is just a paper.
Real Education should seen in our behavior.
Let's pledge ! We'll become our nation's pride.
Education is our right,
Which make our future bright.

Aditya Anand
Senior Prefect
4th Semester

“Avengers & the Schools of Philosophy"

If the Avengers from the Marvel Cinematic Universe were to be in teachers in Schools inspired by the 5 major schools of Philosophy :Idealism , Naturalism , Realism , Pragmatism & Existentialism.

Idealism :

1. **Caption America(Steve Rogers) :** A super soldier who has frozen in an underground ice deposit for almost 7 decades , He is the epitome of an ideal hero , never compromising with his morals , selfless.
2. **Black Panther(T'challa) :** the king of a highly developed civilisation (of wakanda) , he believes in a fair & just world for all & allows even enemies(killomonger) a fair chance . Without a doubt , an ideal king .

Naturalism :

1. **Thor Odinson :** god of thunder , An Adonis always acting of his instincts . He would definitely believe in setting the child free & letting him grow naturally .
2. **Spiderman (Peter Parker) :** A Wholesome boy , who embraces all his emotions & his determined to help people . His "spider" sense helps him (it's only nature!) . Never the one to fake what he is feeling , he would definitely believe in Naturalism .

Realism :

1. **Dr. Strange (Dr. Stephen Strange) :** A former Neurosurgeon , who is now the Master of Mysticarts & keeper of the Time Stone , Though he deals with Magic , he stills retains the Realist inside of him & if he were a teacher , he would definitely adhere to it .
2. **Black Window (Natasha Romanh off) :** A highly skilled supersoldier , who herself has had a rough childhood , she takes on missions that requires absolute nerves of steel but never shies away from accepting the realities of her power & acting intelligently .

Pragmatism :

1. **Iron Man (Tony Stark) :** Genius , Millionaire , Philanthropist(his own words) with a suit of Iron & AI . He is someone who neither talks nonsense nor takes it . He believes in Action , and giving all the comforts to his family , support to his friends & protection to the society .
2. **Caption Marvel (Carol Denvers) :** The most powerful avenger , Protector of the Galaxy , endowed with immense power which she makes a very practical & judicious use of . No doubt she'll be a pragmatism advocate , if she were a teacher .
3. **Nick Fury :** The director of SHIELD , the man who brought all the avengers together . He has the nerves of steel & when he knows what is to be done , he gets it done . If he were a teacher , his students will be pragmatic for sure .

Existentialism :

1. **The Hulk (Dr. Bruce Banner) :** A green giant when angry & a doctor with multiple PHDs when tranquil , he has struggled much with self image & definitely making him a good candidate for a teacher who helps students understand the meaning of life & existence .
2. **Scarlet Witch (Wanda) :** Telekinesis & Mind Control being a few of her abilities , she is capable of time manipulation & multiversal travel & she too has struggled with her life & existence & she understands it better than anyone , making it a strong possibility of her being a supporter of the Existentialism School of Philosophy .

Amrita Goswami
Pupil Teacher 2nd Semester

Teacher Learning/Pupil Teacher

Teaching is the understanding ,
Understanding of the knowledge
of the students understanding ; What they,
Learn through teaching learning process ,
That Goes Childhood (klomb to tomb) to lifelong .

Considered As Little Scientist ,
Constructor of the knowledge ; As Piaget Say ,
Learning of doing , the ultimate .,
way of teaching learning .

Teaching - Learning is mutually interwined ,
One done , Other happens ,
Where education is child centered , not teacher centered ,
As , Teacher is Facilitator ,
And , Learner is receiver .

When No one alike ; Why Teaching alike?
Different Method and Approach should apply ,
If you are gifted , I am average ,
If I am gifted then you are average ,
As our goal is different.

Teaching learning process ,
Starts to knowledge , Ends to Evaluation ,
One goes to other ,And the other helps ,
Finally , one becomes other .

Cognitive , Affective an Psychomotor ,
Should be the objective of Teaching ; As Bloom say ,
That's the continuous process ,
Start to End .

LSRW is the soul ,
Holistic is the need ,
All is Learned to Pupil teacher ,
You and me the future teacher (creator) .

If Memory , Understanding and Reflexive ,
Is the level of teaching ,
Then , knowledge , Comprehension and Application,
Is the level of learning .

Teaching learning process is done at same level , Still
One is independent , other is dependent ,
One has developed , other is developing ,
One has processed , other is processing ,
One needs less labour , Other needs more labour .

Teacher welcomes to the world's knowledge ,
That gives chance to explore and create ,
In this way ,
Teacher is teaching , Learner is learning .

Udai Rai
Pupil teacher 4th Semester

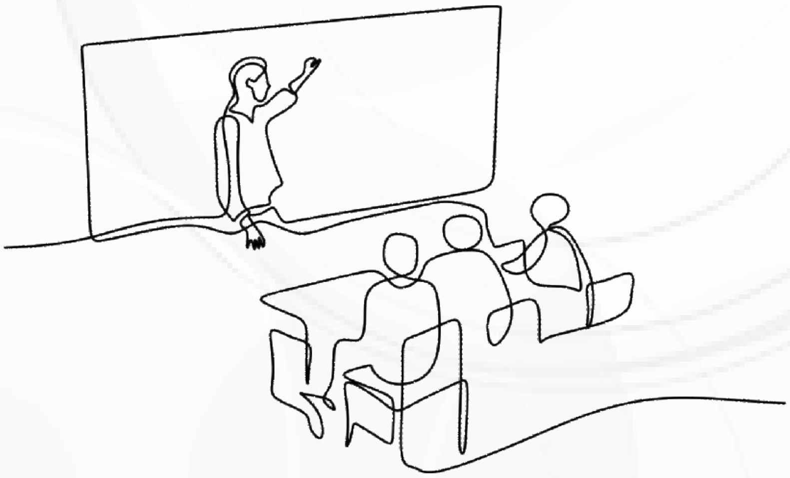

The Wonder of Reading

“One best book equal to hundred good friends
One good friend is equal to a library"

Reading for me has always been a medium of escape to a new world , as books has the ability to disintegrate the shackles of time and space . Just one sitting and reading make suddenly and enter to a new world . We often find ourselves glancing into lives of people who we have never meet before . Who might have been dead far thousand of years , yet they reach out to us , these silly white and yellow pages with an inexplicable magic . George R.R. words been more true ,"I have lived a thousand lives and I've loved a thousand loves . I've walked on distant world as seen the end of time because I read ."

The importance of a reading habit is linked to professional success as it open up the mind to new experience and provides a new avenues of knowledge . According to American author Ernest Hemingway . "There is no friend as loyal as a book ."

So the book fire up imagination , provide information and open up your mind .

Reading makes a man wise and we get pleasure from it . As we say the knowledge is the power , the reading is the only way to gain knowledge . It is to be dying , As technologies is so developed , reading improved . It is the reading by using electronic media . In the olden days brain can accumulated with the vast kind of knowledge . But the new generating keeps the knowledge always in his packet in the form of mobiles phone or tablet .

The person who get happiness and salace to his mind from reading , The thirst of reading gives many in the form of various characters in a book , to them from a young age , children learn that reading is the foundation of their future an education and better life .

If you are interested to read & read read every drop of information . Try to accumulate knowledge up to the last drop of life .

Good book you read for peaceful life to lead
It's a great deed and today's need .

Divya Tiwari
B.Ed.
Topper of Session 2022

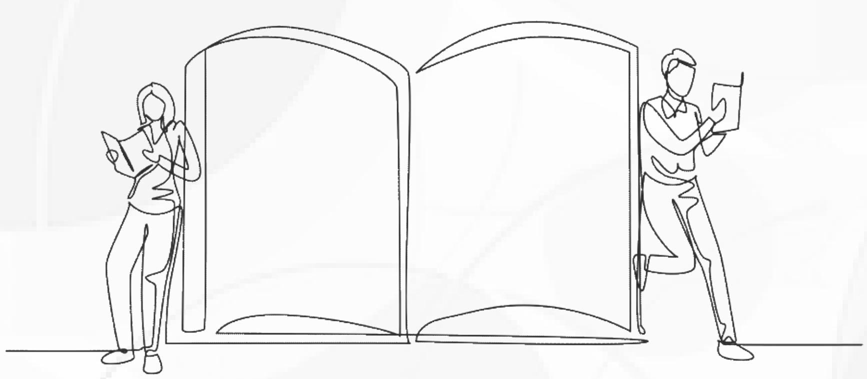

प्रयागराज

के. पी. ट्रेनिंग कालेज
राजभाषा प्रतियोगिता

ALLAHABAD NURSING HOME ASSOCIATION
CHARITABLE BLOOD CENTRE
(A Constituent College of University of Allahabad, Prayagraj, U.P.)

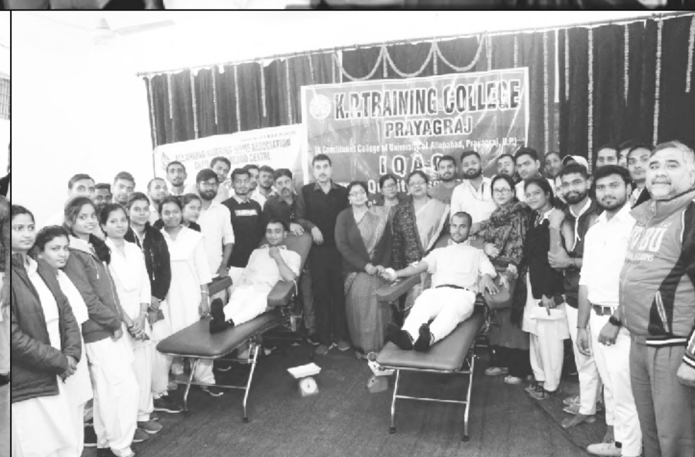
K.P.TRAINING COLLEGE
PRAYAGRAJ

THE POWER OF GOAL

उत्कर्ष
2022

उत्कर्ष
2022

के.पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

K.P.TRAINING COLLEGE

K.P. TRAINING COLLEGE ALLAHABAD
2023

K.P. TRAINING COLLEGE ALLAHABAD

के० पी० ट्रेनिंग कालेज
इलाहाबाद

K.P. TRAINING COLLEGE ALLAHABAD
CONSTITUENT COLLEGE OF ALLAHABAD UNIVERSITY
PARENT-TEACHER MEETING

Hard work is key to success

IQAC

K.P.TRAINING COLLEGE
PRAYAGRAJ

NEP 2020 :- "MULTIPLE ENTRY AND EXIT SYSTEM" (MEES)

The New Education Policy (NEP) 2020 document for higher Education is trying to change the education system by removing the traditional and rigid teaching-learning, admission and assessment process. The document is also trying to bring new possibilities for the aspirant students to choose and learn as per their choice. Hence the policy proposes the multiple entry and exit system (MESS) in higher education. However the core objectives behind this are :-

To encourage flexible and lifelong learning in higher education.
To encourage students to choose their career according to their choice.
To encourage the validation of degree of non-formal and informal learning.
To motivate the dropout students to get further opportunity to complete their course.
To reduce the dropout rate and improve the Gross Enrolment Ration (GER) to ensure no-loss to students. The policy offer flexible curriculum with discipline specific.
To make the system more flexible and multidisciplinary for ensuring better learning outcomes.

Looking into the fulfillment of the above objectives NEP 2020 suggest the restructure of the existing rigid and mechanical curriculum for students keeping in mind the under graduate degree will be for either three or four year with multiple entry and exit within this period. Students will get a certificate , diploma or degree within this point depending upon their choice based course complition. Focusing on the importance of flexible learning , it further states that imaginative, creative , skill based, outcome based, constructive based flexible curriculum structure will enable the students to choose combinations of disciplines for study. Effectiveness of teaching-learning are assessed through evaluation and its results. NEP 2020 in its policy has also introduced a new system that is Academic Bank Credit (ABC) established by the Ministry of Education (MoE)/ UGC to facilitate the students to be an account holder in this system . The ABC is a online/digital /virtual mechanism for students credit recognition, credit accumulation, credit transfer and credit redemption etc. Students in this system of multiple entry and exit if they are completing their choice based course in one institution and shifting it to another institution as well as discipline then their credits will be accumulated and transfer accordingly.

The introduction of multiple entry and exit system in NEP 2020 will now prove to be a game changer for the students where students are their own degree and certificate maker. Due to its flexible nature it become a boon and stress free process for the dropout students to resume their education from where they have leave in between. Depending upon their activeness to achieve their goal and earn either a degree, diploma or a certificate.

Dr. Namita Sahoo
Associate Professor
K.P. Training College
Prayagraj

मालवीय जी के शैक्षिक विचार

महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी का जन्म तीर्थराज प्रयाग में 25 दिसम्बर सन् 1861 में हुआ। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा–दीक्षा इलाहाबाद में हुई। संगम की इस पवित्र धरती पर जन्में महान विभूति महामना को सादर नमन। मालवीय जी आधुनिक भारत की सर्वाधिक महत्वशाली विभूतियों में एक थे। वे एक महान वक्ता, दार्शनिक, शिक्षाविद् थे। संस्कृत, हिन्दी तथा अंग्रेजी तीनों ही भाषाओं पर समान अधिकार था। धर्म में आस्था, कर्मठता, निर्भीकता, संतोष–वृत्ति आदि का गुण मालवीय जी को आपने माता–पिता से विरासत के रूप में मिले थे। छात्रावास से देश व समाज सेवा में रूचि लेते थे। कई पत्र–पत्रिकाओं का सफल संपादन भी किया। शिक्षा पर आपका विशेष बल था।

मालवीय जी ने समाज को नई दिशा देने के उद्देश्य से ही काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 1916 में की। उनका मत था कि किसी देश का भविष्य उसके विद्यालयों की कक्षाओं में बनता है। यहीं बच्चों तथा युवाओं का मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। अपनी कक्षाओं में ही वह समाजोपयोगी ज्ञान–कौशल सीखते हैं। युवा जन का कौशल और उनकी ऊर्जा सामाजिक राष्ट्रीय विकास की सर्वाधिक महत्वपूर्ण आधारशिला है परन्तु विकास का लक्ष्य केवल आर्थिक–सामाजिक उन्नति तक ही सीमित नहीं रह जाना चाहिए। हमारा उच्चतर लक्ष्य होना चाहिए, एक सभ्य और मानवोचित समाज के आदर्शों की ओर आगे बढ़ना। इस आदर्श की प्राप्ति के लिए बौद्धिक क्षमता के साथ–साथ देश के भविष्य निर्माताओं की नैतिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्य चेतना भी विकसित होनी चाहिए।

इसके महत्व को भली–भांति समझते हुए उन्होंने सन् 1905 में प्रकाशित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की प्रस्तावना में उन्होंने लिखा था –

''व्यक्ति और समाज की उननति के लिए बौद्धिक विकास से भी अधिक महत्वपूर्ण है चारित्रिक विकास। मात्र औद्योगिक प्रगति से ही कोई देश खुशहाल, समृद्ध और गौरवशाली राष्ट्र नहीं बन जाता। अत: युवाओं का चरित्र निर्माण करना प्रस्तावित विश्वविद्यालय का एक प्रमुख लक्ष्य होगा। उच्च शिक्षा द्वारा यहाँ केवल अभियंता, चिकित्सक, विधि–वेत्ता, वैज्ञानिक, विद्वान ही नहीं तैयार किए जाएंगें,वरन् ऐसे व्यक्तियों का निर्माण किया जाएगा जिनका चरित्र उज्जवल हो, जो कर्त्तव्य परायण और मूल्यनिष्ठ हों। यह विश्वविद्यालय केवल अर्जित ज्ञान के स्तर को प्रमाणित कर डिग्रियां देने वाली संस्था न होकर सुयोग्य और सच्चरित्र नागरिकों की पौधशाला होगी।''

महामना मालवीय जी शिक्षा की शक्ति में अटूट श्रद्धा रखते थे। अत: वे व्यक्ति के विकास के लिए शिक्षा को मूल आधार मानते थे। उनका कथन था – ''यदि देश का अभ्युदय चाहते हो तो सब प्रकास से यत्न करो कि देश में कोई बालक और बालिका निक्षर न रहे।'' मालवीय जी शारीरिक विकास को भी पूरा महत्व देते थे। अन्यत्र वे लिखते हैं कि यदि राष्ट्र के निवासियों का शरीर दुर्बल है तो राष्ट्र भी दुर्बल होगा और शरीर को संयम, पौष्टिक भोजन और व्यायाम से सशक्त बनाना चाहिए। राष्ट्र के निवासियों का शरीर, मन और आत्मा ही राष्ट्र है। अत: इन तीनों को सशक्त बनाना चाहिए। इन्होनें सभी व्यक्तियों को समाज में सेवा करने को बहुत महत्व दिया है। ''सेवा ही परम धर्म है'' – इसको सबसे महत्वपूर्ण मानते थे। मालवीय जी चारित्रिक उनति के प्रबल पक्षधर थे। साथ ही उनके विचार से शिक्षा का उद्देश्य बालक तथा बालिकाओं का

छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि – "विद्यार्थियों, हृदय को पवित्र बना लो, मन को निर्मल बना लो, संसार में जहाँ जाओगे मान के अधिकारी होगें।" सन् 1927 में स्नातकों को आशीवर्चन देते हुए मालवीय जी ने निम्नलिखित दोहे का पाठ किया और इस पर आचरण करने को कहा –

दूध पियो, विद्या पढ़ो, सदा जपो हरि नाम,
सदाचार पालन करो, पूरेंगें सब काम ।।

उनके इसी बौद्धिक शैक्षिक विचारों को साकार रूप प्रदान कर रहा है, "काशी हिन्दू विश्वविद्यालय"। यह उनके अथक प्रयासों का साकार रूप है। इस विश्वविद्यालय के कण–कण में महान मनीषी, विचारक की आत्मा समायी हुई है। राष्ट्र कवि मैथिली शरण गुप्त के शब्दों में –

भारत को अभिमान तुम्हारा,
देश भारत के अभिमानी।
पूज्य पुरोहित थे हम सबके,
रहे सदैव समाधानी।।
तुम्हें कुशल याचक कहते हैं,
किन्तु कौन तुम सा दानी।
अक्षय शिक्षा–सत्र तुम्हारा,
हे ब्राह्मण, ब्रह्मज्ञानी।।

डॉ० प्रियंका सिंह
(एसोसिएट प्रोफेसर)
के.पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

Quality Management in Education Why & How ?

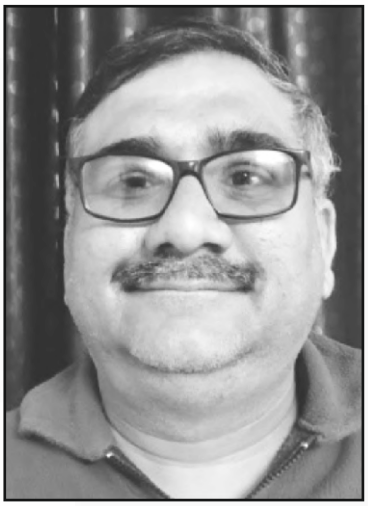

Introduction

Education quality is a key factor for improving the business quality, and therefore strengthening competitive advantage. Access to education and quality education are to be regarded as mutually dependent and indivisible needs and rights. Lack of education is a basic cause of poverty. Intellectual workers are becoming a major tool in increasing productivity, and knowledge is becoming the main resource.

Differences between modern and traditional educational systems are evident in different educational goals, teaching approaches and roles of all participants in the educational process. Efficiency and quality are the key parameters that determine the socio-economic importance of the field of education. Quality management is a part of management aimed at achieving quality goals through planning, monitoring, assuring and improving quality. In modern conditions, quality management becomes a business function as well as any other function, involving people of all profiles and from all the departments of the organization.

Education quality

The word quality comes from the Latin word qualitas (property, quality, value, characteristic, feature, ability). In a highly competitive world with increasing consumer demands, quality has become the key factor of survival in the market, of profitability and development, not just for individual sectors and organizations, but also for the whole country's economy. Education quality is a dynamic, multi-dimensional concept that refers not only to the educational model, but also to the institutional mission and its goals, as well as to the specific standards of the system, facility, program or event

The pedagogical theory and practice has been trying to determine what the quality of education is. In education it is only possible to determine the quality by comparing the results with the given goal, or by comparing it with previously established standards.

Any human activity is identified by the quality of its product. The same rule applies to education. The quality of education is therefore responsible for the quality of its "product": students. Various forms of education are present in different places, at various times, under different circumstances and terms, intentional and unintentional, organized and unorganized, with or without a program.

One of the key problems is the unification of standards and quality evaluation criteria. The key components of the evaluation process are the methodological approach in applying good methods and procedures of data collection, and the definition of key concepts and their relations with the concept of quality. The fundamental precondition for quality improvement is the establishment of an active system of internal and external evaluation. Internal evaluation implies a significant role of the judgment of students as active participants in the process of quality evaluation in education. Education quality is to be understood as the most important asset for strengthening market competitiveness, and thus as the accelerator of the total economic growth and development.

Quality management in education

Quality must be consciously managed in order to satisfy quality demands. From the previous claim we conclude that quality management is "an integral part of management, whose role is to reach quality objectives, which are reflected not just in providing but also in improving quality. This is achieved by managing the activities derived from the established quality policies and plans, and is carried out within the quality system, using, among other things, the appropriate quality monitoring plan."

The efficient management of an organization is achieved by using different models. One of them is quality management system. By quality management system we understand "structure, procedures, processes and other necessary resources required for the application of quality management."

A quality system is inseparable from the international and European norms (standards) of quality. A standard is a formalization of the basic principles of quality management. An increasing number of entities (not only business related) are striving to adapt its own quality system with the requirements, mainly, of the ISO 9000 standards. To be accredited to ISO 9001 (from 2000), an independent auditor has to certify that the organization meets the following requirements of the Standard: quality management system, records keeping, management commitment to quality, resource management, production, and measurement, analysis and improvement.

Any higher education organization that wants to be accredited to the certificate, must go through several stages: the development of a quality system that implements the requirements of ISO 9000:2000; the selection of an accredited certification body; pre-auditing of the quality system by the certification body; the final audit of the quality system after which the certificate is issued; a series of smaller audits at least once a year. According to some experiences from the European Union, the whole process of obtaining a certificate lasts between 12 and 18 months. The certificate is valid for a period of three years.

Total quality management in education

The concept of total quality, introduced by Professor W. Edwards Deming in the 1950s, can be applied to almost every organization up to a certain level. The term stands for the process of shifting the focus of the organization towards a superior quality of products and services. TQM approach in education involves not only achieving high quality but also influencing all segments of the educational process: organization, management, interpersonal relations, material and human resources, etc. Applying the approach described above quality becomes total (integral).

The introduction of total quality management requires a number of changes in educational institutions. The first changes have to occur in the attitudes and activities of the management, in the organization and monitoring of the educational process, in the evaluation of its results, in the culture of communication, in the school atmosphere, and especially in the area of interpersonal relations.

The total quality management model includes the following: process planning, process management, continual improvement, total involvement and focus on the user. Total quality management is an efficient management technique that requires the full involvement of all employees on all organizational levels, thus representing the organizational culture. TQM stands for a way of life of the organization, which introduces constant improvement of business on all levels and activities, creating the appropriate environment through collaborative work, trust and respect. It approaches the processes in a systematic, consistent and organized way and applies total quality management techniques.

TQM is all about quality management of the users, leadership and management loyalty, and continuous improvement; prompt response, actions based on facts, the participation of employees in the TQM culture. If an organization is constantly willing to direct its efforts towards business improvement, the principles presented above can lead to excellence in quality. The success of total quality management depends on its eight components: ethics, integrity, trust, education, teamwork, leadership, reconcilability and communication.

Indicators of quality in education

The system of indicators of quality in education, as well as the quality criteria associated with the indicators, helps schools to point out the important areas of their own activities - their own advantages and disadvantages and development opportunities. School quality team can debate about representation and development of particular indicator aspect and search for method for upgrade and meliorate indicator representation in specify school circumstances. The indicators are grouped into seven areas with specific topics:

1. **Curriculum**
   - Structure of the curriculum (program/goals, tasks, focus on development of functional tasks, focus on students' activities, and integration of programs within and between areas)

- Courses and programs
- Key competences that students develop in the given school

2. **Achievements (evaluated by external, independent agencies)**
   - Achievement quality compared with the set goals
3. **Learning and teaching**
   - Teachers' work
   - Students' work and experience
   - Meeting the needs of the students
   - Monitoring and evaluating the work of students and teachers
4. **Students' support**
   - Students' personal, social and spiritual growth
   - Progress and achievement monitoring
   - Support in all aspects of learning, progress, students' and teachers' personal development
5. **School ethos**
   - School policy
   - School atmosphere and relations
   - Specific goals of each individual school
   - Orientation towards students', teachers' and parents' satisfaction
6. **Resources**
   - School resources
   - Teachers, professional associates, the principal; their education, teachers
   - Teamwork, cooperation; being open to innovation
   - Material resources and premises
   - Efficient human and material resources
7. **Management, leadership and quality assurance**
   - Approaches to leadership and management.

By applying the postulates of TQM to education, we state that education is not a social activity, but a market-competitive activity as well as any other.

Application of total quality management to education

This shows that by using total quality management, educational institutions successfully distribute their accumulated knowledge and increase their efficiency. Total quality management helps achieving the goals and tasks of education of young generations. TQM not only improves the quality of management but also of the entire educational institution. Standards for quality management in education showed their validity and can be rightfully recommended as a model that provides educational quality to the users of institutions that apply it.

Conclusion

The term quality, which encompasses economic, social, cognitive and cultural aspects of education, is perceived as an integral feature of the educational process and its results. By providing high quality educational services, educational institutions play an important role in the development of the national economy, of the society as a whole and of its individual members. Total quality can only be achieved by establishing an innovative organization, one that is flexible, which can adjust quickly to changes in its environment and is capable of learning. To improve education quality, an essential factor of economic and social development in the 21st century, it is crucial to reduce the huge amount of Knowledge students are supposed to master, focusing their attention to a system of basic knowledge, on creativity, problem-solving and lifelong learning.

Atul Gurtu
Asst. Prof
K.P.Training College, Prayagraj

युवाओं में मद्यपान व औषधि व्यसन की समस्या

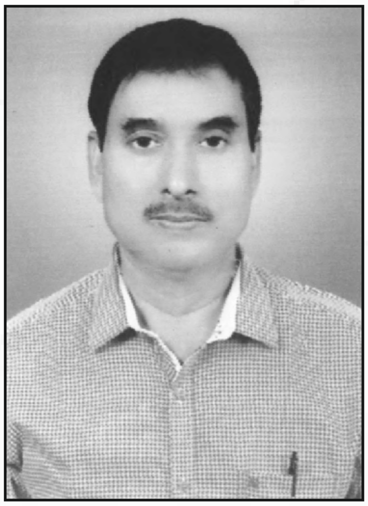

वर्तमान में किशोर-किशोरियों एवं युवावर्ग में मादक द्रव्यों एवं मद्यपान सेवन की आदत तेजी से विकसित हो रही है।

महानगरीय संस्कृति में स्कूल कालेज जाने वाले बालक-बालिकाओं एवं किशोरों में मादक द्रव्य व्यसन की प्रवृति एक संक्रामक रोग की भांति फैलाती जा रही है। मादक द्रव्य के उपयोग से व्यक्ति उत्तेजना, सुख प्रसन्नता एवं ऊर्जा का अनुभव करता है तथा एक बार उसका प्रयोग प्रारम्भ करने के बाद व्यक्ति के अन्दर उसका निरन्तर उपयोग करने की उत्कट इच्छा पैदा होने लगती है और धीरे-धीरे वह उस पर आश्रित हो जाता है। मादक द्रव्यों तथा मद्यपान के दुरुपयोग से समाज व व्यक्ति विशेष को भयंकर क्षति हो रही है। मादक द्रव्य चाहे चिकित्सकीय सलाह से अथवा उसके बिना सेवन किया जाय किन्तु इनका दुरुपयोग करने पर व्यक्ति इनका आदी हो जाता है। मदिरा का प्रयोग कुछ लोग सुख बोध अथवा सामाजिक स्टेटस के रूप में लेते हैं तथा कुछ लोग उत्तेजना/अभिप्रेरणा के रूप में लेते हैं जिससे वे कार्य कर सकें। मदिरा सेवन से व्यक्ति का आत्मनियंत्रण कम हो जाता है और व्यक्ति संवेगात्मक हो जाता है। इसके अधिक सेवन से व्यक्ति का व्यवहार असामान्य हो जाता है एवं उत्तरदायित्व की भावना कम हो जाती है। नशीले पदार्थों जैसे-भांग, अफीम, गांजा, हेरोइन, स्मैक, कोकीन आदि के सेवन से शारीर व मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। व्यसनी आत्म संयम खो देता है, उसका चरित्र भ्रष्ट हो जाता है। ऐसे लोग नैतिक रूप से पतित, बेईमान व धोखेबाज होते हैं। उनके लिए सामाजिक मर्यादाओं, नैतिकता का कोई मूल्य नहीं होता है। व्यक्ति की स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती है। हेरोइन, ब्राउनशुगर या अफीम से निर्मित अन्य नशीले पदार्थों पर व्यक्ति की निर्भरता हो जाने के बाद उसके रहन-सहन, दिनचर्या, आदतों व व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन दिखायी देने लगता है जैसे -शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक शक्ति क्षीण हो जाती है। स्मरण शक्ति कमजोर हो जाना, चोरी करना, झूठ बोलना, नये-नये मित्र बनाना, अधिक समय तक घर से बाहर रहना आदि। रोगी साफ-सफाई का ध्यान छोड़ देता है और प्रत्येक समय खोया-खोया रहता है। इन आदतों के कारण उसका समाज में आदर व सम्मान गिर जाता है, उसका नैतिक रूप से पतन हो जाता है एवं कार्य क्षमता घट जाती है।

मादक औषिध का सेवन आजकल स्कूली बच्चों, किशोरों एवं युवाओं में एक सामान्य बात होती जा रही है। आज का किशोरों एवं युवाओं में एक सामान्य बात होती जा रही है। आज का किशोर एवं युवा वर्ग के मादक द्रव्यों के सेवन की ओर अग्रसर होने के कई कारण हैं जैसे-संगति का प्रभाव, निराशा पूर्ण जीवन, दोषपूर्ण आवासीय दशाएं, फैशन, असामान्य व्यक्तित्व, नगरीकरण व औद्योगीकरण, विपरीत परिस्थितियाँ, नैतिक मूल्यों का क्षरण एवं समाज विरोधी तत्वों के निहित स्वार्थ आदि। मादक द्रव्यों के व्यसन के अनेक कुप्रभाव दिखायी पड़ते हैं जिनमें वैयक्तिक व विघटन, परिवारिक व सामाजिक संबन्धों से अलगाव, आतंकवाद का प्रसार आर्थिक क्षति एवं स्वास्थ्य पर प्रभाव आदि।

आप अपने बच्चे को जितना प्यार करते हैं एवं उसकी देखभाल करते हैं उतना और कोई नहीं करता। आप बहुत व्यस्त रहते हैं फिर भी कुछ समय निकालकर अपने बच्चे के विषय में सोचें, उसकी भावनाओं को समझें। उसकी कोई समस्या है तो उसे सुलझाने का प्रयास करें। अपने बच्चों की गतिविधियों, उसके शौक एवं उसके दोस्तों की जानकारी रखें। माता-पिता स्वयं किसी प्रकार का नशा न करें। घर में लायी जाने वाली दवाओं पर निगरानी रखें और बच्चों की फोन कालों पर नज़र रखें। बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताने का अवसर खोजें। इन उपायों के द्वारा किशोर-किशोरियों एवं युवाओं को मादक द्रव्यों के व्यसन के दुष्चक्र में फंसने से रोका जा सकता है।

डॉ० राजेश कुमार पाण्डेय

(एसोसिएट प्रोफेसर)

के.पी. ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

वार्षिक आख्या : 2020-2023

स्वस्थ समाज के सृजन में शिक्षण संस्थाओं का अहम योगदान होता है। प्रशिक्षणार्थी आध्यात्मिक ज्ञान ऊर्जा के साथ–साथ रोजगारपरक शिक्षा प्राप्त कर एक सफल शिक्षक के रूप में देश व समाज के विकास में अपनी सार्थक भूमिका अदा करें, इसलिए महाविद्यालय निरन्तर चतुर्दिक विकास की दिशा में गतिशील है।

चूंकि कोरोना वायरस के कहर से अभी समाज और राष्ट्र उबर नहीं पा रहा था इसलिए संभावित खतरों से बचने के लिए महाविद्यालय प्रशासन ने शिक्षण अधिगम व्यवस्था अभी भी ऑन–लाइन मोड पर ही संचालित करने का निर्णय लिया।

पूर्व की परम्परा के अनुपालन में प्रस्तुत वर्ष भी सत्र 2021-22 में महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के कुशल व्यवस्थापन एवं संचालन में सहयोगार्थ निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों को उनकी नेतृत्व की क्षमता तथा व्यक्तिगत कुशलता को दृष्टिगत रखते हुए सर्वसम्मति के साथ उनके नाम से सम्मुख अंकित पद प्रदान किये गये–

क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	कु० कीर्ति (छात्राध्यापिका वर्ग)
	:	अवन सोनकर (छात्राध्यापक वर्ग)
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (प्रथम सेमेस्टर)	:	सुष्मिता विश्वास (छात्राध्यापिका वर्ग)
	:	योगेन्द्र प्रताप चौधरी (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेक्रेटरी (चतुर्थ सेमेस्टर)	:	आकृति यादव (छात्राध्यापिका वर्ग)
	:	सुगम सचान (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेक्रेटरी (प्रथम सेमेस्टर)	:	शीतल जायसवाल (छात्राध्यापिका वर्ग)
	:	शिवम मिश्रा (छात्राध्यापक वर्ग)
जैण्डर चैम्पियन (प्रथम सेमेस्टर)	:	शिवानी पाल (छात्राध्यापिका वर्ग)
स्पोर्ट्स कैप्टन (प्रथम सेमेस्टर)	:	सूरज कुमार (छात्राध्यापक वर्ग)

75वां स्वाधीनता दिवस का आयोजन भी महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ऑनलाइन मोड पर ही किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने राष्ट्रीयता तथा राष्ट्र प्रेम के प्रति समर्पण से ओत–प्रोत विभिन्न भावपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्राचार्या ने झण्डारोहण के पश्चात् सभी को आजादी के हर स्वर्णिम प्रभात की शुभकामनाएं दी। आपने अपने उद्बोधन में भावनात्मक तथा निषेधात्मक स्वतन्त्रता की सूक्ष्म व्याख्या करते हुए भावी शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठा तथा अनुशासन को अंगीकार करने के लिए प्रेरित किया। उक्त कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक ओम नाथ मौर्य तथा छात्राध्यापिका शिवांगी श्रीवास्तव ने किया।

सर्वपल्ली डॉ० राधा कृष्णन के जन्म दिवस को **शिक्षक दिवस** के रूप में परिकल्पित करते हुए महाविद्यालय में 05-08-2021 को ऑन लाइन माध्यम से शिक्षक दिवस मनाया गया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने विविध प्रासंगिक एवं प्रेरक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्राचार्या डॉ० अन्जना श्रीवास्तव ने प्रो० राधा कृष्णन के जीवन की महान उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने का संदेश दिया।

महाविद्यालय में दिनांक 30-08-2021 को एन.सी.एफ.ई. के तत्वावधान में बचत तथा निवेश से सम्बन्धित ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया जिसके मुख्य वक्ता श्री सुशील कुमार जी तथा श्रीमती शिप्रा श्रीवास्तव जी रहें। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव ने दोनों रिसोर्स परसन का स्वागत किया। उक्त वेबिनार में बचत, निवेश, विभिन्न सरकारी योजनाएं, पोन्जी योजनाएं आदि पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ० शक्ति शर्मा ने दिया।

कोरोना के समस्त प्रोटोकॉल को दृटिगत रखते हुए दिनांक 24-09-2021 को महाविद्यालय में **'अस्तित्व'** के बैनर तले द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को विदाई दी गई। चूंकि इस समय तक इस अदृश्य वायरस के कहर को चिकित्सीय युक्तियों द्वारा नियन्त्रित करना सहज हो चुका था इसलिए उक्त कार्यक्रम का आयोजन ऑफ लाइन मोड पर किया गया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रासंगिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपने अग्रजों के प्रति स्नेह, सम्मान तथा शुभाशीष को फलीभूत किया। प्राचार्या ने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके स्वर्णिम भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। आपने बी०एड० सत्र 2017-19 के टॉपर श्री आराध्य उपाध्याय तथा 2018-2020 की टॉपर कु० आर्ची गौड़ को बी०एड० मुख्य परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के कारण स्वर्ण तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका कु० कीर्ति तथा आकृति यादव ने किया।

जैसा कि हम जानते है कि कोरोना महामारी के प्रकोप ने जीवन की समस्त गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया था जिसके कारण शिक्षा जगत की विभिन्न सत्रीय क्रिया प्रणाली विलंबित हो समय से काफी पीछे हो गई। क्योंकि जिन प्रशिक्षणार्थियों के आगमन का सफर महाविद्यालय में जुलाई मास में प्रवेश प्रक्रिया के प्रारम्भ हाने के साथ अगस्त मास तक पठन-पाठन के नियमितीकरण से महाविद्यालय के नियमित सदस्य बनने से प्रारम्भ हो जाता था, कोरोना के कारण बाधित प्रवेश प्रक्रिया से ये प्रशिक्षणार्थी महाविद्यालय में दिनांक 21-02-2022 को आयोजित **ओरियन्टेशन प्रोग्राम** के फलस्वरूप महाविद्यालय की प्राचार्या जी के द्वारा महाविद्यालय परिवार के नियमित सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए। प्राचार्या जी ने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके स्वर्णिम जीवन के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी और इस प्रकार लगभग सात माह विलम्ब में नवीन शिक्षण सत्र का आगाज हुआ।

भारत देश के विभिन्न अंचलों में **" Independent India @75 : Self Reliance with integrity"** के तत्वावधान में दिनांक 26-10-2021 से 01-11-2021 तक आयोजित किए जाने वाले **"Observance of Vigilance awareness week 2021"** के अर्न्तगत महाविद्यालय में **निबन्ध, भाषण, पोस्टर तथा रंगोली आदि प्रतियोगिताएं** आयोजित की गई। दिनांक 26-10-2021 को कार्यक्रम का शुभारम्भ शपथ ग्रहण समारोह के साथ हुआ। क्लास रिप्रेजेंटिव अवन सोनकर ने सभी को शपथ दिलवायी। तदुपरान्त **''आत्म निर्भर भारत : दशा एवं दिशा''** विषय पर आधारित निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रथम स्थान पर शुभ्रांशी, द्वितीय स्थान पर चन्दन त्रिपाठी तथा तृतीय स्थान पर गौरव गुप्ता रहें। दिनांक 27-10-2021 को **''भ्रष्टाचार मुक्त भारत''** विषय पर **रंगोली प्रतियोगिता** (सामूहिक रूप से) आयोजित की गई जिसमें प्रथम स्थान पर शुभ्रांशी, द्वितीय स्थान पर कीर्ति चन्द्रा तथा शालिनी तिवारी एवं तृतीय स्थान पर नीतिका सोनकर एवं शिवांगी पाण्डेय रहीं। उक्त समस्त प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्राचार्या द्वारा प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए।

दिनांक 01 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित किए जाने वाले **Clean India Programme organized by department of "Youth affairs ministry of youth affaird and sports"** के तत्वावधान में प्रशिक्षणार्थियों ने स्वच्छ भारत से सम्बन्धित अनेक तख्तियाँ बनाई तथा उस पर विभिन्न प्रकार के प्रासंगिक तथा प्रेरक श्लोगन लिखे। ''स्वच्छ भारत अभियान'' पर विभिन्न चर्चा व परिचर्चा करते हुए इस मुहिम को और अधिक सफल बनाने के सार्थक संदेश दिये गये।

दिनांक 12-11-2021 को **मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती** को **'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस'** के रूप में मनाया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की। प्राचार्या ने डॉ० आजाद के जीवन से सम्बन्धित विभिन्न प्रेरक प्रसंग की चर्चा कर उन्हें अपने जीवन में सभी को उतारने का आग्रह किया।

दिनांक 01-12-2021 को महाविद्यालय में **150वीं कुलभाष्कर जयन्ती** का आयोजन किया गया जिसके मुख्य

अतिथि प्रो० धनंजय यादव, विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहें। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौ० जीतेन्द्र नाथ सिंह, अध्यक्ष, कायस्थ पाठशाला न्यास, प्रयागराज द्वारा की गई। प्राचार्या ने समस्त अतिथियों का स्वागत कर मुन्शी जी की उपलब्धियों तथा उनके महान त्याग की चर्चा कर उसे सभी के लिए अनुकरणीय बताया। उक्त अवसर पर श्री एस०डी० कौटिल्य, महामंत्री, कायस्थ पाठशाला, डॉ० सुधा प्रकाश, डॉ० अरूणा अस्थाना, श्रीमती भारती, प्रो० पी०एस० यादव, श्री विमल श्रीवास्तव, श्री कुलदीप श्रीवास्तव आदि भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ० शक्ति शर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ० प्रियंका सिंह ने दिया।

उक्त अवसर पर दिनांक 03-12-2021 को प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव के नेतृत्व में कायस्थ पाठशाला के समस्त शिक्षण संस्थाओं (9) के शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं से सुसज्जित एक भव्य शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय उपाध्यक्ष महोदय, महामंत्री तथा कायस्थ पाठशाला व उसके परिवार से जुड़े समस्त माननीय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रातः स्मरणीय मुंशी काली प्रसाद जी की उक्त शोभा यात्रा में लगभग 1600 लोगों ने अपनी उपस्थिति के साथ उन्हें अपनी-अपनी श्रद्धाजंलि अर्पित की।

दिनांक 26-01-2022 को कोविड के नियमों को ध्यान में रखते हुए प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव द्वारा झण्डारोहण कर सभी को **गणतन्त्र दिवस** की बधाई तथा शुभकामनाएं दी। उक्त अवसर पर बी०एड० तृतीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने क्लास रिप्रेजेंटेटिव अवन सोनकर के नेतृत्व में ऑनलाइन कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न सारगर्भित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि अनुशासन सफलता का मूलाधार है। हमें स्वयं सकारात्मक परिवर्तन कर देश की प्रगति एवं उत्थान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करना होगा। ऑनलाइन मोड पर आयोजित उक्त कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका शिखा सिंह ने किया।

आगमन और प्रस्थान प्रकृति के शाश्वत नियम है। इसी नियम के अनुपालन में दिनांक 08-04-2022 को **उत्कर्ष** के बैनर तलें चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों का **स्वागत समारोह** आयोजित किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों द्वारा की गई प्रस्तुतियाँ अत्यधिक सफल एवं सार्थक रही। छात्राध्यापक रवि रंजन के द्वारा प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को अनेक रोचक खेल खिलावाएं गए। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक आलोक रंजन तिवारी तथा हरि ओम ने किया। प्राचार्या ने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। आपने एक सफल शिक्षक बनने के पाँच घटकों ज्ञान, शिक्षण कौशल, अभिवृत्ति, मूल्य तथा अनुशासन को धारण करने का संदेश देते हुए **"5D"** ड्रीम, डिस्कवर, डिजायन, डेलीवर, डिसीप्लीन आदि को अपने व्यक्तित्व में धारण करने की बात कही तथा इसे एक आदर्श शिक्षक होने का मूल मंत्र बताया।

महाविद्यालय शिक्षण तथा शिक्षणेत्तर दोनों ही प्रकार की गतिविधियों में अपनी सह-भागिता प्रस्तुत करने के लिए प्रशिक्षणार्थियों को प्रेरित करता है। यही कारण है कि प्रयागराज जनपद के ही विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में आयोजित विभिन्न पाठ्यसहगामी क्रियाओं में महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी बौद्धिक क्षमता के बलबूते अपने महाविद्यालय का परचम लहराया, फिर वह चाहे सी.एम.पी. पी.जी. कालेज में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता हो अथवा आर्य कन्या पी.जी. कालेज में आयोजित प्रपत्र लेखन प्रतियोगिता। महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने दोनों ही प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किए।

दिनांक 14-05-2022 को बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को **''अस्तित्व''** के बैनर तले विदाई दी गई। प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ बौद्धिक खेलों का आयोजन कर उक्त कार्यक्रम को रोचक तथा अविस्मरणीय बनाया। प्राचार्या ने समस्त प्रशिक्षणार्थियों को उनके

उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। आपके द्वारा बी०एड० सत्र 2019-2021 में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली अर्चना यादव को स्वर्णपदक तथा प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी गई।इसके अतिरिक्त सत्र भर आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में विभिन्न स्थान प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भी प्राचार्या द्वरा प्रमाण–पत्र वितरित कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापिका लवली मिश्रा तथा नितिका श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

8वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सचिव विश्वविद्यालय आयोग के पत्रांक संख्या F.No. 1-16/2021 (Website) दिनांक 25-03-2022 के सन्दर्भ को व्यावहारिक रूप प्रदान करते हुए महाविद्यालय में **''योगा''** से सम्बन्धित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में **''योग और संस्कृति''** प्रकरण पर दिनांक 16-04-2022 को निबन्ध लेखन करवाया गया। दिनांक 23-04-2022 को **''योग और निरोगी काया''** पर समूह चर्चा–परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की तथा वैचारिक मंथन के फलस्वरूप योग को ही निरोगी काया का मूलधार बताया गया। दिनांक 13-05-2022 को महाविद्यालय में योगाचार्य श्री राजीव कुमार तिवारी, बी०एड० महाविद्यालय दरभंगा, बिहार के नेतृत्व में **'योगा'** की सैद्धान्तिक तथा प्रायोगिक कक्षाएं संचालित की गई, जिसमें आपके द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न योगासन के विषय में बताया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वावधान में दिनांक 10-8-2022 को महाविद्यालय में प्रथम सत्र में **''आत्म सुरक्षा कार्यक्रम''** आयोजित किया गया जिसमें ताइक्वांडो प्रशिक्षक श्री अनुराग सिंह तथा श्री प्रसन्न कुमार घोष द्वारा बी०एड० प्रशिक्षणार्थियों को आत्म सुरक्षा से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया। जबकि द्वितीय सत्र में महाविद्यालय प्रांगण में **'स्वच्छता कार्यक्रम'** तथा श्री घोष का स्वागत किया। उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षक डा० प्रियंका सिंह तथा डा० राजेश कुमार पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

भारत के **75वीं आजादी के अमृत महोत्सव** के ही तत्वावधान में महाविद्यालय में प्राचार्या द्वारा झण्डारोहण के पश्चात् तिरंगा रैली निकाली गई जिसमें **'' भारत माता की जय''''अमर शहीदों का उत्कर्ष, व्यर्थ न जाने देंगे हम''** जैसे उद्घोषों से पूरा माहौल राष्ट्र भक्तिमय हो गया। प्राचार्या ने अपने उद्बोधन में स्वतन्त्रता के स्वर्णिम प्रभात की पृष्ठभूमि को बताते हुए अपने प्रशिक्षणार्थियों से यह प्रतिज्ञा करवाई कि आजादी के 100वें वर्ष हीरक जयन्ती में ये भारत को विकसित देश बनाने में अपना सर्वोत्तम योगदान देंगे। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक अमित शुक्ला तथा छात्राध्यापिका शीतल जायसवाल ने किया। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

भारत के **75वीं आजादी के अमृत महोत्सव** के तत्वावधान में दिनांक 18-08-2022 को **अध्ययन मंच** का आयोजन किया गया जिसमें डा० नीलिमा सिंह, एसोशिएट प्रोफेसर तथा समन्वयक राजनीति शास्त्र विभाग, राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय, प्रयागराज द्वारा **''भारतीय लोकतन्त्र : अवसर तथा चुनौतियाँ ''** प्रकरण पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव द्वारा डा० सिंह को स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन डा० शक्ति शर्मा ने किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

दिनांक 05-09-2022 को भारत के प्रथम उप राष्ट्रपति **सर्वपल्ली डा० राधाकृष्णन की जयंती** को महाविद्यालय में **'शिक्षक दिवस'** के रूप में मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा विभिन्न प्रेरक प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक अल्कहफ तथा छात्राध्यापिका लवली मिश्रा द्वारा किया गया। प्राचार्या ने सभी को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए समस्त प्रशिक्षणार्थियों को अपने छात्र को पारस बनाने का आग्रह किया जिससे भविष्य में आप अपने छात्रों को परिष्कृत कर उन्हें कनक बनाकर एक मजबूत तथा सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा

सकें। उक्त अवसर पर प्राचार्या द्वारा महाविद्यालय के समस्त प्रशिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उन्हें उपहार भी प्रदान किया गया।

दिनांक 06-09-2022 को महाविद्यालय में श्री मुकेश कुमार सिंह, ट्रेनर एण्ड मॉटिवेशनल स्पीकर द्वारा ''**द पावर ऑफ गोल**'' पर प्रभावशाली व्याख्यान दिया गया, जिसमें आपने अपनी प्रतिभा और क्षमता को किस प्रकार विकसित किया जाए, किस प्रकार अपने जीवन को अभिकल्पित कर अपने सपने को पूरा किया जाए, इस पर श्री सिंह जी के द्वारा व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों की अत्यन्त सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डा० शक्ति शर्मा द्वारा दिया गया। उक्त कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षक भी उपस्थिति रहे।

दिनांक 09-09-2022 को महाविद्यालय में **अभिभावक-शिक्षक बैठक** आहूत की गयी जिसमें महाविद्यालय के विकास, उन्नयन तथा अपने पुत्र/पुत्री के प्रशिक्षण के सन्दर्भ में अभिभावकों द्वारा चर्चा–परिचर्चा की गई। प्राचार्या ने महाविद्यालय में प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति तथा विभिन्न गतिविधियों में उनकी सहभागिता पर अपने विचार व्यक्त किए जबकि डा० प्रियंका सिंह ने इन्टर्नशिप को लेकर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डा० शक्ति शर्मा ने किया। कार्यक्रम में समस्त प्रशिक्षकगण भी उपस्थिति रहे।

राजभाषा पखवारा 2022 के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में दिनांक 19-09-2022 को प्रथम सत्र में पोस्टर श्लोगन तथा काव्य पाठ, लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिता में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के आठ संघटक महाविद्यालय के कुल 37 प्रतिभागी सम्मिलित हए, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए राधारमण शुक्ला (के०पी०टी०सी०), शाम्भवी द्विवेदी (एस०एस० खन्ना), अनुष्का त्रिपाठी तथा अनुभव द्विवेदी (ई०श०डि०का०) ने प्रथम स्थान, आदित्य आनन्द (के०पी०टी०सी०), तालिया अंसारी (ई०सी०सी०), सारिका सिंह तथा आरूषी मोहन (एस०एस०खन्ना, कालेज) पायल गुप्ता तथा आयुष कुमार तिवारी (ए०डी०सी०), दिव्या कुमारी (सी०एम०पी० कालेज) ने द्वितीय स्थान तथा हुमैरा (हमीदिया कालेज), दीक्षा सहाय श्रीवास्तव (ई०सी०सी०), कीर्ति साहू, प्रियंका (राजर्षि टण्डन महिला महाविद्यालय), आयुष कुमार तिवारी (ए०डी०सी०), मोहिनी कुमारी, शुभी मिश्रा (एस०एस० खन्ना कालेज) तथा आरती इन्दवर, अश्विनी कुमार (के०पी०टी०सी०) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उक्त दिवस के द्वितीय सत्र **पुरस्कार वितरण समारोह** में निर्णायक मण्डल के रूप में डा० सरोज सिंह, एसोशिएट प्राफेसर, सी०एम०पी० पी०जी० कालेज तथा डा० रचना आनन्द, एसोशिएट प्रोफेसर एस०एस० खन्ना पी०जी० कालेज रहीं। प्रो० अन्जना श्रीवास्तव ने द्वय निर्णायक को पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। दोनों निर्णायक गण ने अपने–अपने उद्बोधन में हिन्दी भाषा के महत्व, उसकी दशा एवं दिशा पर प्रकाश डालते हुए इसे राष्ट्र भाषा के पद पर अभिषिक्त करने के लिए अनवरत प्रयास पर बल दिया। विजित प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र द्वय निर्णायक गण तथा प्राचार्या द्वारा प्रदान किया गया। छात्राध्यापक अभिषेक त्रिपाठी की कविता ''**हिन्दी का महत्व**'' ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उक्त अवसर पर समस्त प्रशिक्षक गण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा हिन्दी पखवारा की संयोजिका डा० शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा० प्रियंका सिंह ने किया।

दिनांक 31-10-2022 का दिन महाविद्यालय परिवार के विस्तार का था जिसमें बी०एड० सत्र 2022-24 के प्रथम सेमेस्टर के चयनित अभ्यर्थियों का **ओरियन्टेशन कार्यक्रम** सम्पन्न हुआ जिसमें प्राचार्या द्वारा उन्हें उनके पूरे सत्र की गतिविधियों के विषय में बताया गया। अन्त में उन्हें मिष्ठान देते हुए महाविद्यालय परिवार का सदस्य बनने के लिए बधाई तथा भावी जीवन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी गई।

उक्त दिवस के द्वितीय सत्र में स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री **लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई**

पटेल की जयन्ती को ''**राष्ट्रीय एकता दिवस**'' के रूप में मनाया गया। उक्त अवसर पर प्राचार्या ने सभी को राष्ट्रीय एकता दिवस की शुभकामनाएं दी तथा भारत को आजादी मिलने के बाद पूरे राष्ट्र को एकता से सूत्र में पिरोने की उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

चूंकि महाविद्यालय छात्रों के सर्वागींण विकास की दिशा में दृढ़ संकल्पित है इसलिए वह छात्रों को सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक दोनों ही प्रकार का ज्ञान प्रदान करने की दिशा में तत्पर है। महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थी अपने कर्तव्य तथा उत्तरदायित्व की भावना से भिज्ञ रहे, इसलिए पुराने गठित छात्र परिषद में किंचित संशोधन करते हुए दोनों सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों को मिला कर सत्र 2022-23 का नवीन **छात्र परिषद** अभिकल्पित किया गया जिसमें निम्नलिखित प्रशिक्षणार्थियों को सम्मिलित किया गया :-

सीनियर प्रीफेक्ट	-	आदित्य आनन्द (तृतीय सेमेस्टर)
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (तृतीय सेमेस्टर)	-	अनामिका (छात्राध्यापिका वर्ग)
	-	योगेन्द्र प्रताप (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेकेट्री (तृतीय सेमेस्टर)	-	शिवानी पाल (छात्राध्यापिका वर्ग)
	-	शिवम् मिश्रा (छात्राध्यापक वर्ग)
क्लास रिप्रेजेन्टेटिव (प्रथम सेमेस्टर)	-	नीमा शुक्ला (छात्राध्यापिका वर्ग)
	-	सुशान्त (छात्राध्यापक वर्ग)
सोशल सेकेट्री (प्रथम सेमेस्टर)	-	ग्रेस निहारिका (छात्राध्यापिका वर्ग)
	-	पुष्कर (छात्राध्यापक वर्ग)
जैण्डर चैम्पियन (तृतीय सेमेस्टर)	-	आरती इन्दवर (छात्राध्यापिका वर्ग)
	-	प्रिन्य चौरसिया (छात्राध्यापक वर्ग)
स्पोर्ट्स कैप्टन (तृतीय सेमेस्टर)	-	श्याम सुन्दर

दिनांक 11-11-2022 को **अध्ययन मंच** के तत्वावधान में श्री अमित बनर्जी महान सामाजिक कार्यकर्ता, समाज सुधारक, अभिप्रेरक तथा कथा वाचक ने '' **युवा तथा सामाजिक सेवा**'' पर अत्यन्त रोचक, प्रेरक तथा व्यवहारिक व्याख्यान दिया। **IQAC** की कॉर्डिनेटर डा० नमिता साहू ने आपका स्वागत और अभिनन्दन किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा० शक्ति शर्मा ने किया।

उक्त दिवस के द्वितीय सत्र में भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री **मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती** को '' **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस**'' के रूप में मनाया गया।। प्राचार्या द्वारा सर्वप्रथम मौलाना जी की महान उपलब्धियों की चर्चा की गई। तत्पश्चात् उनके महान व्यक्तित्व से सभी को प्रेरणा लेने का आग्रह किया गया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों द्वारा मौलाना जी की उपलब्धियों पर विचार भी व्यक्त किए गए।

प्राचार्या तथा समस्त प्रशिक्षकों के नेतृत्व में दिनांक 23-11-2022 को पर्यावरण की दशा एवं दिशा को समुन्नत रखने की मुहिम के तहत महाविद्यालय में **पौधारोपण** किया गया जिसमें सभी ने अत्यन्त उत्साह से भाग लिया।

दिनांक 29-11-2022 को महाविद्यालय में **150वीं कुलभाष्कर जयन्ती** बहुत धूमधाम से मनाई गई जिसके मुख्य अतिथि प्रो० पंकज कुमार, डीन महाविद्यालय विकास, विशिष्ट अतिथि प्रो० जे०एन० त्रिपाठी अर्थ एण्ड प्लेनोटोरिएम साइंसेज विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौ० जीतेन्द्र नाथ सिंह, कायस्थ पाठशाला न्यास ने किया। प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव द्वारा मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि, अध्यक्ष महोदय के साथ-साथ कार्यक्रम में पधारे श्री एस०डी० कौटिल्य महामंत्री कायस्थ पाठशाला न्यास, प्रो० अजय प्रकाश खरे, प्राचार्य सी०एम०पी० पी०जी० कालेज, श्रीमती भारती वर्मा, सदस्य

गवर्निंग बाडी, के०पी०टी०सी०, श्री कौशल किशोर श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष के.पी.टी.सी., श्री ए०के० श्रीवास्तव, के०पी० ट्रस्ट अल्युमिनाई तथा सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। उक्त अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन डा० शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा० राजेश कुमार पाण्डेय ने किया।

दिनांक 06-12-2022 को महाविद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कैप्टन एस०एम० नकवी तथा उनकी टीम के नेतृत्व में 35 प्रशिक्षणार्थियों ने रक्तदान कर **''रक्तदान, महादान''** के भाव को व्यावहारिक रूप प्रदान किया। **IQAC** की कोआर्डिनेटर डा० नमिता साहू ने आप सभी का महाविद्यालय में औपचारिक परिचय दिया गया जबकि प्राचार्या द्वारा रक्तदान के महत्व को उद्‌घाटित किया गया। रक्तदान के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को चाय, चिप्स, बिस्किट, सेब तथा केला भी प्रदान किया।

''छात्र अपने जीवन में कैसे सफलता प्राप्त करें'' विषयक कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम डा० प्रमाद कुमार पाण्डेय तथा डा० सुग्रीव सिंह, काउन्सलर विश्वविद्यालय सेवा योजन सूचना एवं मंत्रणा केन्द्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा दिनांक 17-03-23 को महाविद्यालय में संचालित किया गया जिसमें प्रश्नोत्तरी शैली के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों ने अपनी सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की। कैरियर काउन्सिलिंग कार्यक्रम की संयोजिका डा० प्रियंका सिंह ने आपका स्वागत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा० शक्ति शर्मा ने किया।

दिनांक 20-03-23 को महाविद्यालय में डा० रत्ना शर्मा एसोशिएट प्रोफेसर, श्यामा प्रसाद मुखर्जी पी.जी. कालेज, प्रयागराज, द्वारा **''योग की तनाव दूर करने में भूमिका''** विषयक सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक क्लास ली गई। प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव द्वारा डा० रत्ना शर्मा को पुष्प गुच्छ भेंट किया गया। आपका औपचारिक स्वागत डा० शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डा० प्रियंका सिंह ने दिया। उक्त अवसर पर श्री अतुल गुर्टू, डा० राजेश कुमार पाण्डेय तथा डा० नमिता साहू भी उपस्थिति रहे।

Add on Course के तत्वावधान् में प्रस्तुत वर्ष 2023 में महाविद्यालय के प्रशिक्षकों द्वारा पाँच कोर्स (**''योगा एण्ड हेल्थ केयर''**– डा० प्रियंका सिंह, **''सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमेंट फॉर टीचर्स ट्रेनीज़''**– श्री अतुल गुर्टू, **''टी.जी.टी. तथा पी.जी.टी. कोर्स''**– डा० नमिता साहू, **''सार्टिफिकेट कोर्स इन गाइडेंस एण्ड कांउसलिंग साइकोलॉजी''**– डा० राजेश कुमार पाण्डेय, **''एनवायरमेंट एण्ड स्किल डेवलपमेंट फॉर 5 आर''**– डा० शक्ति शर्मा) प्रस्तावित किए गए थे जिनमे **'' योगा एण्ड हेल्थ केयर''** तथा **''सॉफ्ट स्किल्स डेवलपमंट फॉर टीचर्स ट्रेनीज़''** प्रारम्भ हो चुकें हैं जबकि शेष तीन कोर्स का क्रियान्वयन प्रतीक्षित है।

दिनांक 21-03-2023 को महाविद्यालय में **Add on Course : Yoga And Health Care** के तत्वावधान में **'' मानसिक स्वास्थ और युवा''** विषयक व्याख्यान डा० राकेश कुमार पासवान, एम०डी० न्यूरो साइकेट्रिस्ट, मोती लाल नेहरू मण्डलीय अस्पताल तथा उनकी टीम डा० जय शंकर पटेल आदि के द्वारा दिया गया। प्राचार्या प्रो० अन्जना श्रीवास्तव ने दोनों अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ तथा स्मृतिचिन्ह देकर किया। कार्यक्रम का संचालन Add on Course की संयोजिका डा० प्रियंका सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन **IQAC Cell** की संयोजिका डा० नमिता साहू ने किया।

दिनांक 23-03-2023 को महाविद्यालय में ''उत्कर्ष'' के बैनर तले चतुर्थ सेमेस्टर के प्रक्षिणार्थियों द्वारा द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए **''फ्रैशर फंग्शन''** का आयोजन किया गया। प्राचार्या ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्पित भाव से उसे प्राप्त करने का मूल मंत्र दिया जिसमें उन्होंने **5D** अर्थात **Dream** (स्वप्न), **Discover** (अन्वेषण), **Design** (अभिकल्प), **Deliver** (प्रदान करना), **Discipline** (अनुशासन) की विशद चर्चा करते हुए उनके सफल जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। उक्त कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न प्रकार के खेलों की प्रस्तुति की। साथ ही साथ मोहक नृत्य तथा मन को मुग्ध कर देने वाले गीत भी कार्यक्रम के आकर्षण केन्द्र रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्राध्यापक शिवम् मिश्रा सोशल सेकेट्री तथा छात्राध्यापिका लवली मिश्रा ने किया।

दिनांक 18 से 22 मार्च तक को महाविद्यालय में योगा ट्रेनर श्री घनश्याम जायसवाल द्वारा **Add on Yoga and Health**

Care के तत्वावधान में योग की विभिन्न मुद्राओं तथा योगासन के विषय में पंच दिवसीय योगा कार्यक्रम के अन्तर्गत योगा तथा स्वास्थ्य पर विशद तथा व्यापक चर्चा की गई। प्राचार्या ने पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर श्री घनश्याम जायसवाल जी का स्वागत किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कोर्स कोआर्डिनेटर डा० प्रियंका सिंह ने किया।

Add on "Yoga and Health Care" के अन्तर्गत दिनांक 01-05-2023 को महाविद्यालय में आहार विशेषज्ञ श्रीमती आंचल अग्रवाल द्वारा ''**आहार और स्वस्थ्य जीवन**'' पर व्याख्यान दिया गया। प्राचार्या द्वारा श्रीमती अग्रवाल को पुष्प गुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया जबकि धन्यवाद ज्ञापन कोर्स कोआर्डिनेटर डा० प्रियंका सिंह के द्वारा किया गया।

Add on Yoga and Health Care के तत्वावधान में दिनांक 02-05-2023 को महाविद्यालय में **"Stress Management"** प्रकरण पर डा० हिमानी उपाध्याय परामर्शदाता तथा मनोवैज्ञानिक द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। प्राचार्या ने पुष्पगुच्छ तथा स्मृति चिन्ह देकर डा० उपाध्याय का स्वागत किया। **IQAC** की संयोजिका डा० नमिता साहू ने अतिथि वक्ता का स्वागत किया जबकि **Add on Yoga and Health Care** की संयोजिका डा० प्रियंका सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिनांक 05-06-23 को **'अस्तित्व'** के बैनर तले चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि प्रो० जे० एन० त्रिपाठी, विभागाध्यक्ष, अर्थ एंड प्लेनोटोरियम साइंस विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज रहे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह, अध्यक्ष के. पी. ट्रस्ट प्रयागराज ने किया। उक्त अवसर पर प्राचार्या प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आपने वर्ष भर संपादित की गई गतिविधियों की आख्या प्रस्तुत की। द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। द्वितीय सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार के गेम्स आज के कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहे। बी एड मुख्य परीक्षा 2020-22 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली पूर्व छात्राध्यापिका सुश्री दिव्या तिवारी को दो गोल्ड मेडल– एक महाविद्यालय के सौजन्य से तथा दूसरा श्री शैलेंद्र हजेला जी के सौजन्य से **'अरुणा हजेला मेमोरियल गोल्ड मेडल'** तथा प्रशस्ति पत्र, द्वितीय स्थान पर रही सुश्री कीर्ति मिश्रा तथा तृतीय स्थान पर रही द्वय छात्राध्यापिका–सुश्री अर्पिता तथा सुश्री कीर्ति चंद्रा को माननीय मुख्य अतिथि महोदय, अध्यक्ष महोदय तथा प्राचार्या के कर कमलों द्वारा पदक तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। उक्त अवसर पर **IQAC** की कोऑर्डिनेटर डॉ नमिता साहू द्वारा प्रकाशित न्यूज़लेटर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में श्री एस डी कौटिल्य महामंत्री, कायस्थ पाठशाला न्यास प्रयागराज, श्री के के श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष, के पी ट्रेंनिंग कॉलेज, डॉ० प्रियंका सिंह, डॉ० अतुल गुर्टू तथा अन्य अतिथि गण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शक्ति शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ नमिता साहू के द्वारा किया गया।

दिनांक 21/06/23 को महाविद्यायालय में प्राचार्या, प्रशिक्षक व प्रशिक्षणार्थियों समेत ''**नौवां अन्तर्राष्ट्रीय योगा**'' का कार्यक्रम किया गया। इसमें प्राणायाम, भ्रामरी, भ्रस्तिका तथा विभिन्न प्रकार के अन्य योगासन किए गए। उक्त कार्यक्रम में प्रोफेसर अंजना श्रीवास्तव के साथ–साथ डॉ० प्रियंका सिंह, डॉ० नमिता साहू, डॉ० राजेश कुमार पांडे, डॉ० शक्ति शर्मा, प्रशिक्षणार्थी पंकज दोहरे, प्रदीप यादव, निधि शर्मा, अलका देवी पराशर, आशय सोनकर, अनिकेत कुमार तथा शिक्षणेत्तर कर्मचारी श्री सुजीत कुमार, श्री अमृत लाल आदि उपस्थित रहें।

डा० शक्ति शर्मा
एशोसिएट प्रोफेसर
के.पी.ट्रेनिंग कालेज, प्रयागराज

K.P. TRAINING COLLEGE, PRAYAGRAJ
Session 2021-2022

The following committees are framed. All the members of the committees are requested to perform their duties with full dedication and efficiency.

1. Staff Council

i. Dr. Anjana Srivastava	-	Chairperson
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Secretary (Co-ordinator of Student Welfare)
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Proctor
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Library incharge
v. Sri Atul Gurtu	-	Incharge of Physical Education & Training

2. Student welfare Committee

i. Dr. Priyanka Singh	-	Co-ordinator
ii. Dr. Shakti Sharma	-	Asstt. Co-ordinator
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Asstt. Co-ordinator

3. Proctorial Board / Anti Ragging Committee

i. Dr. Namita Sahoo	-	Proctor
ii. Dr. Sharad Srivastava	-	Asstt. Proctor
iii. Sri Atul Gurtu	-	Asstt. Proctor

4. Admission Committee

i. Dr. Sharad Srivastava	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
iv. Dr. Namita Sahoo	-	Member
v. Dr. Shakti Sharma	-	Member
vi. Sri Atul Gurtu	-	Member

5. Examination Committee

i. Dr. Anjana Srivastava Principal	-	Chairperson
ii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member

6. Library Advisory Committee

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member

7. Grievance Redressal Committee

i. Dr. Sharad Srivastava	-	Incharge
ii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iii. Sri Atul Gurtu	-	Member

8. Co-curricular Activity Committee

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Sharad Srivatava	-	Member

9. College Development Committee

i. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	incharge
ii. Sri Atul Gurtu	-	Member
iii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member
v. Dr. Namita Sahoo	-	Member

10. IQAC Cell

i. Dr. Namita Sahoo	-	Co-ordinator
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member
v. Sri Atul Gurtu	-	Member
vi. Dr. Sharad Srivastava	-	Member

11. College Purchase Committee

i. Sri Atul Gurtu	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member

12. Sports and Physical Education & Training Committee

i. Sri Atul Gurtu	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member

13.	Scholarship Committee		
	i. Dr. Anjana Srivastava Principal	-	Incharge
	ii. Sri Atul Gurtu	-	Nodal Officer
	iii. Dr. Sharad Srivastava	-	Member
	iv. Dr. Namita Sahoo	-	Member
14.	Alumni Committee		
	i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
	iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
15.	Magazine Committee		
	i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Dr. Sharad Srivastava	-	Member
16.	Annual Report & Press Report Committee		
	i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
17.	Poor Boys Committee		
	i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
	ii. Shri Atul Gurtu	-	Member
	iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
18.	Academic Calendar Committee		
	i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
	ii. Dr. Sharad Srivastava	-	Member
	iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey		
19.	Result Committee		
	i. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
20.	Stock Verification Committee		
	i. Dr. Sharad Srivastava	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Sri Atul Gurtu	-	Member
	iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
	v. Dr. Namita Sahoo	-	Member
	vi. Dr. Shakti Sharma	-	Member
21.	Women Cell		
	i. Dr. Anjana Srivastava, Principal	-	Incharge
	ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
	iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
	iv. Dr. Shakti Sharma	-	Member
22.	Placement Cell / Counselling & Career Guidance		
	i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
	ii. Dr. Shakti Sharma	-	Member
	iii. Shri Atul Gurtu	-	Member
	iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member
23.	Medical Cell		
	i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
	ii. Dr. Sharad Srivastava	-	Member
	iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
	iv. Dr. Priyanka Singh	-	Member
24.	Public Information Officer		
	i. Dr. Sharad Srivastava		
25.	College Bursar		
	i. Sri Atul Gurtu		
26.	Student Council		
	i. Riya Jaiswal	-	Senior Prefect (iiird semester)
	ii. Sonu Sharma	-	Class Representative (iiird Semester)
	Sandhya Gour	-	Class Representative (iiird Semester)
	iii. Avan Sonkar	-	Class Representative (Ist Semester)
	Sita Rajawat	-	Class Representative (Ist Semester)
	iv. Om Nath Maurya	-	Social Secretory (iiird semester)
	Nisha Mishra	-	Social Secretory (iiird Semester)
	v. Anant Pandey	-	Social Secretory (Ist Semester)
	Kumari kirti	-	Social Secretory (Ist Semester)
	vi. Atul Sharma	-	Sports Captain (iiird Semester)
	vii. Jiteshwar Kumar	-	Gender Champion (iiird Semester)
	Shivani Mishra	-	Gender Champion (iiird Semester)

K.P. TRAINING COLLEGE, PRAYAGRAJ

Session 2022-2023

The following committees are framed. All the members of the committees are requested to perform their duties with full dedication and efficiency.

1. Staff Council
   - i. Dr. Anjana Srivastava - Chairperson
   - ii. Dr. Priyanka Singh - Secretary (Co-ordinator of Student Welfare)
   - iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Proctor
   - iv. Dr. Shakti Sharma - Library incharge
   - v. Sri Atul Gurtu - Incharge of Physical Education &Training
2. Student welfare Committee
   - i. Dr. Priyanka Singh - Co-ordinator
   - ii. Dr. Shakti Sharma - Asstt. Co-ordinator
   - iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Asstt. Co-ordinator
3. Proctorial Board / Anti Ragging Committee
   - i. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Proctor
   - ii. Dr. Namita Sahoo - Asstt. Proctor
   - iii. Sri Atul Gurtu - Asstt. Proctor
4. Admission Committee
   - i. Dr. Priyanka Singh - Incharge
   - ii. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Member
   - iii. Dr. Namita Sahoo - Member
   - iv. Dr. Shakti Sharma - Member
   - v. Sri Atul Gurtu - Member
5. Examination Committee
   - i. Dr. Anjana Srivastava Principal - Chairperson
   - ii. Dr. NamitaSahoo - Member
   - iii. Dr. Priyanka Singh - Member
   - iv. Dr. Shakti Sharma - Member
6. Library Advisory Committee
   - i. Dr. Shakti Sharma - Incharge
   - ii. Sri AtulGurtu - Member
   - iii. Dr. Priyanka Singh - Member
   - iv. Dr. NamitaSahoo - Member
7. Grievance Redressal Committee
   - i. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Incharge
   - ii. Dr. NamitaSahoo - Member
   - iii. Sri AtulGurtu - Member
8. Co-curricular Activity Committee
   - i. Dr. Shakti Sharma - Incharge
   - ii. Dr. Priyanka Singh - Member
   - iii. Dr. NamitaSahoo - Member
9. College Development Committee
   - i. Dr. Rajesh Kumar Pandey - incharge
   - ii. Sri Atul Gurtu - Member
   - iii. Dr. Priyanka Singh - Member
   - iv. Dr. Namita Sahoo - Member
10. IQAC Cell
    - i. Dr. Namita Sahoo - Co-ordinator
    - ii. Dr. Priyanka Singh - Member
    - iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Member
    - iv. Dr. Shakti Sharma - Member
    - v. Sri Atul Gurtu - Member
11. College Purchase Committee
    - i. Sri Atul Gurtu - Incharge
    - ii. Dr. Priyanka Singh - Member
    - iii. Dr. Namita Sahoo - Member
    - iv. Dr. Shakti Sharma - Member
12. Sports and Physical Education & Training Committee
    - i. Sri Atul Gurtu - Incharge
    - ii. Dr. Priyanka Singh - Member
    - iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey - Member
    - iv. Dr. Shakti Sharma - Member
13. Scholarship Committee
    - i. Dr. Anjana Srivastava Principal - Incharge
    - ii. Sri Atul Gurtu - Nodal Officer
    - iii. Dr. Priyanka Singh - Member
    - iv. Dr. Namita Sahoo - Member

14. Alumni Committee

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member

15. Magazine/ Journal Committee

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member

16. Annual Report & Press Report Committee

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member

17. Poor Boys Committee/Earn While you Learn

i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
ii. Shri AtulGurtu	-	Member
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member

18. Academic Calendar Committee

i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
ii. Dr. Shakti Sharma	-	Member
iii. Dr. Rajesh Kumar Pandey		

19. Result Committee

i. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. Dr. Namita Sahoo	-	Member

20. Stock Verification Committee

i. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Incharge
ii. Dr. Priyanka Singh	-	Member
iii. SriAtul Gurtu	-	Member
iv. Dr. Namita Sahoo	-	Member
v. Dr. Shakti Sharma	-	Member

21. Women Cell

i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
ii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iii. Dr. Shakti Sharma	-	Member

22. Placement Cell / Counseling & Career Guidance

i. Dr. Priyanka Singh	-	Incharge
ii. Dr. Shakti Sharma	-	Member
iii. Shri Atul Gurtu	-	Member
iv. Dr. Rajesh Kumar Pandey	-	Member

23. Medical Cell

i. Dr. Shakti Sharma	-	Incharge
ii. Dr. Namita Sahoo	-	Member
iii. Dr. Priyanka Singh	-	Member

24. Public Information Officer

i. Dr. Priyanka Singh

25. College Bursar

i. Sri Atul Gurtu

26. NAAC Incharge

i. Dr. Namita Sahoo

27. Student Council

i. Aditya Anand	-	Senior Prefect (iiird semester)
ii. Yogendra Pratap	-	Class Representative (iiird Semester)
Anamika	-	Class Representative (iiird Semester)
iii. Sushant	-	Class Representative (Ist Semester)
Nima Shukla	-	Class Representative (Ist Semester)
iv. Shivam Mishra	-	Social Secretory (iiird semester)
Shivani Pal	-	Social Secretory (iiird Semester)
v. Pushkar	-	Social Secretory (Ist Semester)
Grace Niharika Minz	-	Social Secretory (Ist Semester)
vi. Shyam Sundar	-	Sports Captain (iiird Semester)
vii. Prince Chaurasiya	-	Gender Champion (iiird Semester)
Arti Indwar	-	Gender Champion (iiird Semester)

Pollution

CHILD LABOUR

LEGEND

Group-5

GPS Map Camera

अस्तित्व
2021
उत्कर्ष